■ श्रावण कृष्ण - 12 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 1 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 22-07-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 हर नागरिक की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकताः योगी

6 बड़ी जीत है 'द रेजिस्टेंट फ्रंट' का आतंकी संगठन घोषित होना

7 'ट्रांसजेंडर' समुदाय के लोगों को भी रोजगार दें उद्यमी : आनंदीबेन पटेल

अवकाश की सूचना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत के स्थापना दिवस के अवसर पर मंगलवार 22 जुलाई को हमारे कार्यालय में अवकाश रहेगा। दक्षिण भारत राष्ट्रमत बेंगलूरु संस्करण 21वें और चेन्नई संस्करण 13वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। अगला अंक 24 जुलाई 2025 को प्रकाशित होगा।

- व्यवस्थापक

BSE	NSE
82,200.34	25,090.70
(+442.62)	(+122.30)

7/11 मुंबई ट्रेन धमाकेः सभी 12 आरोपी किये गये बरी

फैसले का अध्ययन करेगी महाराष्ट्र सरकार

- 11 जुलाई, 2006 को पश्चिमी लाइन पर विभिन्न स्थानों पर मुंबई की कई लोकल ट्रेन में सिलसिलेवार तरीके से सात विस्फोट हुए थे जिनमें 180 से अधिक लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे।
- बंबई उच्च न्यायालय ने कहा कि अभियोजन पक्ष मामले को साबित करने में पूरी तरह विफल रहा और "यह विश्वास करना मुश्किल है कि उन्होंने अपराध किया है।"

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता चंद्रशेखर बावनकुले ने कहा कि राज्य सरकार मुंबई में 11 जुलाई, 2006 को ट्रेन में किए गए बम धमाकों के सभी 12 आरोपियों को बरी करने के बंबई उच्च न्यायालय के फैसले का आकलन करेगी। उन्होंने कहा कि इसके बाद ही राज्य सरकार यह तय करेगी कि इसे उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी जाए या नहीं।

इन धमाकों में 180 से अधिक लोग मारे गए थे। 11 जुलाई, 2006 को पश्चिमी लाइन पर विभिन्न स्थानों पर मुंबई की कई लोकल ट्रेन में सिलसिलेवार तरीके से सात विस्फोट हुए थे जिनमें 180 से अधिक लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे।

बंबई उच्च न्यायालय ने 19 साल बाद सोमवार को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया और कहा कि अभियोजन पक्ष मामले को साबित करने में पूरी तरह विफल रहा और ''यह विश्वास करना मुश्किल है कि उन्होंने अपराध किया है।''

न्यायमूर्ति अनिल किलोर और न्यायमूर्ति श्याम चांडक की विशेष पीठ ने कहा कि अभियोजन पक्ष अपराध में इस्तेमाल किए गए बमों के प्रकार को भी रिकॉर्ड में लाने में विफल रहा और जिन सबूतों पर उसने भरोसा किया है, वे आरोपियों को दोषी ठहराने के लिए निर्णायक नहीं हैं।

पत्रकारों से बातचीत में बावनकुले ने कहा, ''महाराष्ट्र सरकार सभी आरोपियों को बरी करने के उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने से पहले मामले के गुण-दोष का आकलन करेगी। उससे पहले, हम फैसले के गुण-दोष और बरी किए जाने के कारणों जैसे पहलुओं पर चर्चा करेंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी इस पर गौर करेंगे। आकलन के बाद ही राज्य सरकार उच्चतम न्यायालय का रुख करेगी।''

भारतीय जनता पार्टी की महाराष्ट्र इकाई के पूर्व अध्यक्ष बावनकुले ने कहा कि अगर राज्य के पास कोई अतिरिक्त जानकारी है, तो मुख्यमंत्री फडणवीस उसे विस्तार से पेश करेंगे।

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता और लोकसभा के पूर्व सदस्य संजय निरुपम ने फैसले को दुर्भाग्यपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि सवाल उठता है कि विस्फोटों की साजिश किसने रची। उन्होंने यह भी कहा कि यह भी देखना होगा कि क्या जांच एजेंसियों के काम में कोई कमी थी।

स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने पद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार शाम स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपना इस्तीफा भेज दिया और कहा कि वह तत्काल प्रभाव से पद छोड़ रहे हैं। धनखड़ ने राष्ट्रपति को लिखे अपने पत्र में कहा, स्वास्थ्य देखभाल को प्राथमिकता देने और चिकित्सीय सलाह का पालन करने के लिए, मैं संविधान के अनुच्छेद 67 (ए) के अनुसार, तत्काल प्रभाव से भारत के उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देता हूं। धनखड़ (74) ने अगस्त 2022 में उपराष्ट्रपति का पदभार संभाला था और उनका कार्यकाल 2027 तक था। वह राज्यसभा के सभापति भी हैं और उन्होंने संसद के मानसून सत्र के पहले दिन ही इस्तीफा दे दिया। हाल में उनकी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) में एंजियोप्लास्टी हुई थी।

पूरी दुनिया ने भारत की सैन्य शक्ति के सामर्थ्य का रूप देखा : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की सेना ने आतंकियों के आकाओं के घर में जाकर जिस प्रकार का सफल अभियान चलाया उससे पूरी दुनिया ने देश की सैन्य शक्ति और सैन्य सामर्थ्य का रूप देखा है।

मोदी ने मॉनसून सत्र शुरू होने से पहले सोमवार को संसद परिसर में कहा कि मॉनसून नवीनता और नवसृजन का प्रतीक है, और अब तक जो खबरें मिली हैं, देश में मौसम बहुत ही अच्छे ढंग से आगे बढ़ रहा है, कृषि को लाभदायक मौसम की खबरें हैं। बारिश किसानों की अर्थव्यवस्था, देश की अर्थव्यवस्था, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और इतना ही नहीं हर परिवार की अर्थव्यवस्था में एक बहुत महत्वपूर्ण होती है। अब तक जो मुझे जानकारी दी गई है, उस हिसाब से पिछले 10 वर्ष में जो पानी का भंडार हुआ है इस बार वो करीब-करीब तीन गुना हुआ है, जिसका आने वाले दिनों में भी देश के अर्थतंत्र को बहुत लाभ होगा।

उन्होंने कहा, यह मॉनसून सत्र राष्ट्र के लिए ये बहुत ही गौरवपूर्ण सत्र है। ये मानसून सत्र राष्ट्र के लिए एक अपने आप में विजयोत्सव का रूप है। और जब मैं कहता हूं कि ये सत्र राष्ट्र गौरव और विजयोत्सव का सत्र है, तो सबसे पहले तो मैं पहली बार इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर भारत का तिरंगा झंडा वहां लहराना ये हर देशवासी के लिए गौरव के पल हैं। देश में विज्ञान तकनीक के प्रति, नवाचार के प्रति, नया उमंग और उत्साह भरने वाली ये सफल यात्रा रही है। अब पूरा संसद, लोकसभा राज्यसभा दोनों सदन, देशवासी जिस गौरव का अनुभव कर रहे हैं, उसमें एक स्वर से जुड़ेंगे, एक स्वर से इसका यशगान होगा, जो भारत को अंतरिक्ष में नई ऊंचाइयों पर पहुंचने वाले जो भावी कार्यक्रम हैं, उनके लिए भी प्रेरक बनेगा, प्रोत्साहक बनेगा।

सदन में विपक्ष को नहीं बोलने दिया जाता : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा कांग्रेस महासचिव तथा पार्टी की लोकसभा सदस्य प्रियंका गांधी वाड्रा ने आरोप लगाया है कि सदन में सिर्फ सत्ता पक्ष के लोगों को बोलने दिया जाता है और विपक्ष के लोगों को बोलने से रोका जाता है। गांधी ने सोमवार को यहां संसद भवन परिसर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि सदन में सिर्फ सरकार के लोगों को बोलने दिया जाता है, लेकिन विपक्ष को अपनी बात रखने की इजाजत नहीं है। उन्होंने कहा मैं नेता विपक्ष हूं, सदन में बोलना मेरा हक है लेकिन मुझे भी बोलने नहीं देते हैं। श्रीमती वाड्रा ने कहा कि अगर सरकार हर विषय पर बात करने को तैयार है तो चर्चा करे, लेकिन ये लोग नेता विपक्ष को बोलने नहीं देते।

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

रोको संतति

चाहे कितने हों संसाधन,
सीमाएं फिर भी है निश्चित।
धरती की अपनी मर्यादा,
इससे संयुक्त सभी के हित।
यदि ना संभले दोहन करते,
तो महा समर है संभावित।
रोको संतति की प्रचुर वृद्धि,
करना होगा इसको सीमित।।

बहुत प्रभावशाली होते हैं मंत्र और अनुष्ठान : आचार्यश्री विमलसागरसूरी

तीन दिवसीय नवग्रह शांति अनुष्ठान शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गदग। सोमवार को प्रातः यहां पार्श्व बुद्धि वीर वाटिका में तीन दिवसीय नवग्रह शांति अनुष्ठान का मंगलमय शुभारंभ हुआ। आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी और गणि पद्मविमलसागरजी के सान्निध्य में आयोजित हो रहे इस अनुष्ठान में 500 से अधिक साधकों ने भाग लिया। पुरुषों ने श्वेत व महिलाओं ने लाल वस्त्र धारण कर ताम्र यंत्र, वासक्षेप, कर्पूर-बरास, मोगरे के पुष्प, नैवेद्य, फल, अर्घ्य आदि पूजन सामग्री के साथ संकल्प पूर्वक अनुष्ठान में प्रवेश किया। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के तत्वावधान में आयोजित हुए इस पूजन-अनुष्ठान के बारे में संघ के अध्यक्ष पंकज बाफना ने बताया कि पहले दिन पीठिकाओं पर स्वास्तिक रचना और मंत्रोच्चारण पूर्वक तीन तीर्थंकरों की विशालकाय मनोहारी प्रतिमाओं और जयपुरी आर्ट में बनाए गए ग्रह देवताओं के यंत्रों की स्थापना की गई। श्रमण परिवार ने लाभार्थियों के करकमलों से अखंड ज्योत, मणिभद्र वीर, घंटाकर्ण वीर, भैरव देव और क्षेत्रपाल देव के विधान सम्पन्न करवाए। इस मौके पर आचार्य विमलसागरसूरीश्वरजी ने कहा कि मंत्र-विधान और पूजन-अनुष्ठान अत्यंत प्रभावशाली होते हैं। वे वातावरण को सत्वशाली एवं शुभ बनाने की सामर्थ्य रखते हैं।

मंत्रों और अनुष्ठानों से मनुष्य का आभामंडल बदल जाता है। उसमें सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। मंत्रों और विधि-विधानों से दैविक तत्वों को रिझाने एवं उनसे अपनी समस्याओं के निराकरण पाने के प्रयास पूर्ण मनोवैज्ञानिक हैं। ये प्रार्थना, कामना, श्रद्धा, भक्ति और आराधना का ही विशिष्ट रूप हैं। जैन और वैदिक परंपरा में अनेक प्राचीन मंत्र साधनाओं और सात्विक, पौष्टिक विधि विधानों के उल्लेख मिलते हैं। वे आधुनिक विज्ञान के संशोधन का विषय हैं। दलीचंद कवाड़ ने आयोजन की जानकारी देते कहा कि शहर में यह पहला और कर्नाटक में यह तीसरा बड़ा नवग्रह शांति का सामूहिक अनुष्ठान है। तीन दिन तक 9 तीर्थंकरों और नवग्रहों के छोटे व बड़े प्राचीन मंत्रों के आधार पर द्रव्यपूजन, भावपूजन, अर्घ्य अर्पण, मंत्रजाप, ग्रंथिविधान, मुद्रा विधान और आरती के साथ यह बुधवार को संपन्न होगा। सभी साधकों को गुरुपुष्य अमृतसिद्धि योग में बनाये गए बड़े ताम्रयंत्र प्रदान किए गए हैं। निर्मल पारेख ने बताया कि सोमवार को जैनाचार्य ने नवरात्रि में आयोजित होने वाले मणिभद्र इंद्र अनुष्ठान और घंटाकर्ण वीर पूजन-हवन की घोषणा की।

गुरु सर्वश्रेष्ठ होते हैं जो बिगड़े काम भी संवार देते हैं : साध्वीश्री कंचनकंवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जयनगर संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित उपप्रवर्तिनी कंचनकंवरजी के सान्निध्य में गतिमान आनंद जन्मोत्सव के तहत सोमवार को सांस्कृतिक कार्यक्रम में साध्वीश्री ने कहा कि समय की गति बड़ी तीव्र है, शब्द एवं विद्युत से भी अधिक तेज गति से समय दौड़ता है। समय तो पकड़ से भी बाहर है। बीता समय लौटता नहीं और न आनेवाला समय रुकता, वर्तमान को जानो, क्योंकि जो वर्तमान समय का सम्मान करता है, समय उसे महामूल्यवान बना देता है। साध्वी दिव्ययशाजी ने कहा कि इस संसार में सुख दुख की अनुभूति होती है।

जहां दु.ख है, वहां सुख नहीं, बल्कि सुखाभास है। इस काल में संयम लेने का सतत् प्रयास करना चाहिए और भाव रखना चाहिए। जीवन की गाड़ी को सही दिशा में ले जाने वाले गुरु होते हैं। यदि हमने हमारा जीवन गुरु को समर्पित कर दिया तो गुरु हमारे जीवन को सही राह पर अग्रसर कर कल्याण करते हैं। दुनिया की तमाम ताकत जब नाकाम हो जाती है तब आनंद गुरु की कृपा से सब बिगड़े कार्य भी संवर जाते हैं। प्रचार प्रसार मन्त्री सागर बाफना ने बताया कि संघ के तत्वावधान में सांस्कृतिक, आध्यात्मिक, तप, दया, आयम्बिल, एकासन व अनेक मानवसेवी कार्य के माध्यम से गुरु आनंद ऋषि का जन्मोत्सव मनाया जा रहा है। संघ के अध्यक्ष दीपचंद भंसाली ने सभी का स्वागत किया। संघ के मंत्री पदम चंद बोहरा ने संचालन किया।

अंतःचक्षु खोल कर अपने लक्ष्य को पहचानना जीवन का आवश्यक कार्य : संतश्री ज्ञानमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ यलहंका में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री हस्तीमलजी के शिष्य श्री ज्ञानमुनिजी ने कहा कि उत्तराध्ययन सूत्र को भगवान महावीर की अंतिम देशना या आखिरी शिक्षण सूत्र भी कहा जा सकता है। भगवान की वाणी को जितनी बार सुनेंगे उतनी ही कर्म निर्जरा होती रहेगी। मनुष्य भव मुश्किल से मिलता है परंतु उसमें भी मनुष्यत्व मिलना बड़ा दुर्लभ संदर्भ होता है। प्रभु कहते हैं कि मन की आंखें खोल कर अपना लक्ष्य पहचानना ही जीवन का अति आवश्यक कार्य होता है। मनुष्य हमेशा बुराई का दोष भगवान पर डालता है। खुद के अवगुण को छुपा कर दूसरों के दोषों और अवगुणों को उजागर करता है। भगवान कभी किसी का बुरा नहीं करता, इंसान के कर्मों की वजह से अच्छा या बुरा होता है। प्रभु कहते हैं कि श्रावकों की तादाद नहीं, गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए। ज्ञानमुनिजी ने कहा कि यह इंसान की देह मिट्टी से बनी है और एक दिन मिट्टी में ही मिल जाएगी। चाहे राजा हो या रंक, मृत्यु के बाद सभी को एक जैसी लकड़ी में ही जलाया जाता है, इसलिए कभी भी किसी को अपने रंग और रूप पर अभिमान नहीं करना चाहिए। श्री लोकेश मुनि जी ने अपने प्रवचन की शुरुआत करते हुए कहा कि जीवन में संगत का बहुत असर होता है, इसलिए हमें अपने साथियों को अच्छे से परख कर चुनना चाहिए। जैसे कोयला गरम हो तो हाथ जलते हैं और ठंडा हो तो हाथ काले हो जाते हैं, और दूसरी ओर चंदन चाहे किसी भी आकार में हो, खुशबू ही देता है। इसलिए हमें ऐसे लोगों का साथ करना चाहिए जो हमारी तरक्की को देख सके और चंदन की खुशबू की तरह हमारी ख्याति फैलाने में साथ दे। संघ के महामंत्री मनोहरलाल लुकड़ ने संचालन किया।

कावड़िया किंग्स टीम बनी मेवाड़ बॉक्स क्रिकेट लीग की विजेता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मेवाड़ जैन बीसा ओसवाल संगठन की युवा शाखा ने रविवार को बॉक्स क्रिकेट लीग सीजन 1 का आयोजन दीपांजलिनगर में किया। लादूलाल अरिहंत पंकज कावड़िया के सौजन्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में युवा अध्यक्ष प्रकाश बाबेल ने सभी का स्वागत किया। प्रतियोगिता में पद्मावती वॉरियर्स, कुंदवा बाबेल सुपर किंग्स, कावड़िया किंग्स, खाब्या ड्रीम क्रश, टुकलिया चैलेंजर्स, सुराणा सुपर किंग्स, कक्कड़ वॉरियर्स, मेलन स्टार सहित कुल 8 टीमों ने भाग लिया। कावड़िया किंग्स और टुकलिया चैलेंजर्स ने फाइनल में मुकाबला किया। कावड़िया किंग्स टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज सिद्धार्थ बिलवाड़िया, सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज संजय बोहरा और मैन ऑफ दि सीरीज यश बाफना रहे। कमेटी के युवा उपाध्यक्ष गौतम खाब्या, सहमंत्री महावीर ओस्तवाल, कोषाध्यक्ष राजेश बाफना, खेल प्रभारी प्रशांत बाफना, अजीत संचेती ने प्रतियोगिता की व्यवस्था संभाली। इस अवसर मेवाड़ संघ के महामंत्री पुखराज आंचलिया, महिला मंडल की अध्यक्षा स्नेहलता बाफना, मंत्री अनीता बाबेल सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन युवा मंत्री मनीष टुकलिया ने किया तथा संगठन मंत्री संदीप चौधरी ने धन्यवाद दिया।

दाधीच महिला मंडल की नई कार्यकारिणी समिति का हुआ गठन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय दाधीच महिला मंडल की संस्थापिका सरोजा व्यास, सर्वेसर्वा सरोज ओझा व सलाहकार बुल्लु दाधीच की उपस्थिति में मंडल की नई कार्यकारिणी समिति का गठन किया गया जिसमें पुष्पा तिवारी को अध्यक्ष, वंदना जोशी को उपाध्यक्ष, शशि ओझा को उपाध्यक्ष, बरखा जोशी को सहमंत्री, रेनू दाधीच को संगठन मंत्री, संतोषी काकड़ा को कोषाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सरोज जोशी को सुन्दरकांड पाठ अध्यक्ष, विजयलक्ष्मी रतावा को गणगौर उत्सव अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा किरण, वंदना शर्मा, नीता व्यास, स्नेहा असोपा, बिंदू गोतेचा, ममता सोंसी व भावना को कार्यकारिणी समिति में शामिल किया है।

बसवनगुड़ी जिनकुशलसूरी दादावाड़ी के पदाधिकारियों ने राष्ट्रसंतों के किए दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जिनकुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के अध्यक्ष तेजराज मालानी और महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने हैदराबाद में चातुर्मासार्थ विराजित राष्ट्रसंत ललितप्रभसागर जी व चन्द्रप्रभसागर जी म. सा. के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। इस मौके कर राष्ट्रसंत चन्द्रप्रभसागरजी ने कहा कि पांव में पड़ी हुई मोच और हमारी छोटी सोच हमें कभी आगे नहीं बढ़ने देती है। संतों ने ट्रस्ट के प्रतिनिधि मंडल का स्वागत किया। ट्रस्ट के प्रवक्ता अरविन्द कोठारी ने बेंगलूरु में हुए संतों के चातुर्मास को याद किया।

संघवी तेजराज गुलेच्छा ने अनंत लब्धि निधान गुरु गौतम स्वामीजी की केवलज्ञान भूमि गुणायाजी तीर्थ के जीर्णोद्धार के बारे में जानकारी दी। ललित डाकलिया ने बताया कि इस मौके पर साध्वी कनकप्रभाजी, स्नेहांजनाश्रीजी, प्रियस्मिताश्रीजी, प्रियस्वर्णांजनाश्रीजी आदि के भी दर्शन किए। प्रतिनिधि मंडल में उपाध्यक्ष तनसुखराज गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष महेन्द्र कुमार रांका, कोषाध्यक्ष रणजीत ललवानी, धर्मेंद्र संकलेचा, मोतीलाल ललवानी, ललित डाकलिया, कैलाश संकलेचा, सज्जनसिंह खटोड़, राकेश डाकलिया, पृथ्वीराज श्रीश्रीमाल, जवरीलाल गुलेच्छा, वीरचंद चौपड़ा, रमेश धारीवाल आदि भी शामिल थे।

'भारत को भारत ही बोला जाए' गीत का राजस्थानी वर्जन हुआ रिलीज

महेन्द्र मुणोत अभिनीत इस वीडियो में दिखी राजस्थानी संस्कृति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'मैं भारत हूं फाउंडेशन' द्वारा भारत नाम सम्मान गीत 'भारत इज भारत नाट इंडिया' अब तक 22 भाषाओं में बनाया जा चुका है। लता हया की रचना को प्रसिद्ध संगीत निर्देशक दिलीप सेन ने संगीत दिया और मोहम्मद सलामत एवं रेखा राव ने गाने को अपनी आवाज दी। उसी श्रृंखला में बेंगलूरु के जाने माने समाजसेवी व देशप्रेमी महेन्द्र मुणोत ने खुद अभिनीत कर आनंद सिनेमा के बैनर तले तीन भाषाओं में इस गीत का वीडियो बनाया है, जो हिंदी एवं अंग्रेजी भाषा में पहले ही रिलीज हो चुका है, जो पूरे देश में लोकप्रिय हुआ है।

मुणोत ने एक बार फिर राजस्थानी भाषा में गीत का वीडियो बनाया है जिसमें राजस्थानी संस्कृति की झलक देखने को मिलती है। दीपक एवं रेखा राव ने इस राजस्थानी भाषा के गीत में अपनी आवाज दी तथा बीपी हरिहरन ने वीडियो का निर्देशन किया है।

गत दिनों केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी ने गीत का वीडियो रिलीज किया है। महेन्द्र मुणोत ने बताया कि इस गीत का फिल्मांकन मुणोत के मूल ग्राम राजस्थान के लांबिया गांव सहित एवं राजस्थान के अन्य पर्यटन स्थलों पर किया है, साथ ही हेसरघट्टा स्थित राजस्थानी ढाणी रिसोर्ट में भी इस गीत को फिल्माया गया है तथा इसमें स्थानीय विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने अभिनय किया है।

मुंबई हवाई अड्डे पर उतरते समय एअर इंडिया का विमान फिसल कर रनवे के बाहर निकला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। कोच्चि से आया एअर इंडिया का एक विमान शहर के हवाई अड्डे पर भारी बारिश के बीच उतरते समय फिसल गया और रनवे से बाहर निकल गया जिसके बाद सोमवार सुबह एक रनवे पर परिचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं।

मुंबई हवाई अड्डे ने एक बयान में कहा, हवाई अड्डे के प्राथमिक रनवे - 09/27 को मामूली क्षति की सूचना मिली है। परिचालन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, द्वितीयक रनवे 14/32 को सक्रिय कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, इस घटना के कारण विमान के तीन टायर फट गए और इंजन को भी नुकसान पहुंचा। सूत्र ने बताया, कीचड़ में धंसने के बाद इंजन में ढेर सारी मिट्टी चली गई। एअर इंडिया के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि कोच्चि से मुंबई आई उड़ान संख्या एआई2744 के हवाई अड्डे पर उतरते समय भारी बारिश हुई, जिसके कारण विमान हवाई अड्डे पर उतरने के बाद रनवे के बाहर निकल गया। उन्होंने एक बयान में कहा कि विमान सुरक्षित रूप से गेट तक पहुंच गया और सभी यात्री एवं चालक दल के सदस्य उससे उतर गए। उनके मुताबिक, विमान को जांच के लिए रोक लिया गया है।

एक सूत्र ने बताया कि हवाई अड्डे के एक रनवे पर परिचालन इस घटना के बाद बंद कर दिया गया था, लेकिन इसे फिर से शुरू कर दिया गया। मुंबई हवाई अड्डे ने एक बयान में कहा कि विमान सुबह 9.27 बजे रनवे से बाहर निकल गया और हवाई अड्डे की आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमों को तुरंत स्थिति से निपटने के लिए सक्रिय कर दिया गया।

सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मैसूरु के बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल के परिसर में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय रोटरी कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक सेवाओं का संचालन कर आम लोगों को लाभ पहुंचाने वाले समाजसेवी महेंद्रसिंह राजपुरोहित तथा गवरीदेवी राजपुरोहित को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मैसूरु शहर विकास प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष यशस्विनी सोमशेखर तथा पद्मश्री विजेता डॉ. केएस राजण्णा ने सम्मानित किया।

यूरोपीय संघ के प्रतिबंध अन्यायपूर्ण : नायरा एनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिग्गज रूसी कंपनी रोसनेफ्ट समर्थित नायरा एनर्जी ने सोमवार को अपनी रिफाइनरी से जुड़ी डाउनस्ट्रीम परियोजनाओं में 70,000 करोड़ रुपए का निवेश करने की अपनी योजना की पुष्टि की।

साथ ही कंपनी ने यूरोपीय संघ की तरफ से खुद पर लगाए गए नवीनतम प्रतिबंधों को अन्यायपूर्ण और भारत के हितों के लिहाज से नुकसानदेह बताया। रोसनेफ्ट ने भी एक दिन पहले भारतीय इकाई नायरा एनर्जी पर लगाए गए प्रतिबंधों को अनुचित, अवैध और भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए सीधा खतरा करार दिया था। नायरा ने कहा कि यूरोपीय संघ के प्रतिबंध 'लाखों भारतीय नागरिकों और उद्योगों के लिए आवश्यक पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध आपूर्ति को बाधित करने का जोखिम पैदा करते हैं।' यूक्रेन पर रूस की सैन्य कार्रवाई के विरोध में यूरोपीय संघ ने अपने प्रतिबंधों की 18वीं किस्त पिछले हफ्ते मंजूर की थी। प्रतिबंधों के दायरे में आने वाली कंपनियों में नायरा एनर्जी भी शामिल है। नायरा ने कहा, ''हम स्पष्ट रूप से कहते हैं कि यूरोपीय संघ का यह एकतरफा कदम निराधार दावों पर आधारित है और अधिकार के अनुचित विस्तार के साथ अंतरराष्ट्रीय कानून एवं भारत की संप्रभुता की अनदेखी करता है।'' नायरा एनर्जी गुजरात के वडीनार में सालाना दो करोड़ टन तेल शोधन की क्षमता वाली रिफाइनरी और देशभर में 6,750 से अधिक पेट्रोल पंप का संचालन करती है।

भारत में 70,000 करोड़ रुपए का निवेश जारी रखेंगे

NAYARA ENERGY

भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौते पर 24 जुलाई को हस्ताक्षर, प्रधानमंत्री मोदी के साथ गोयल भी होंगे

नई दिल्ली/भाषा। भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर 24 जुलाई को लंदन में हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भी होंगे। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। दोनों देशों ने छह मई को व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की थी। इस व्यापार समझौते में चमड़ा, जूते और कपड़ा जैसे श्रम-प्रधान उत्पादों के निर्यात पर कर हटाने का प्रस्ताव है। साथ ही ब्रिटेन से व्हिस्की और कारों के आयात को सस्ता किया जाएगा। उम्मीद है कि इस समझौते से 2030 तक दोनों अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापार दोगुना होकर 120 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार से ब्रिटेन और मालदीव की चार दिवसीय यात्रा पर जाएंगे। उनकी यात्रा का मकसद व्यापार, निवेश और रक्षा क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करना है। अधिकारी ने बताया कि वाणिज्य मंत्री इस यात्रा में प्रधानमंत्री के साथ रहेंगे। मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद, इसे लागू करने से पहले ब्रिटिश संसद और भारत में केंद्रीय मंत्रिमंडल से मंजूरी लेनी होगी। समझौते पर हस्ताक्षर के बाद इसे लागू होने में लगभग एक साल लगेगा।

अदालत ने नाल्को के पूर्व सीएमडी, पत्नी और दो अन्य को धन शोधन का दोषी ठहराया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने नवरत्न कंपनी, नेशनल एल्युमिनियम कंपनी लिमिटेड (नाल्को) के पूर्व अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) अभय कुमार श्रीवास्तव, उनकी पत्नी और दो अन्य को 2010 में कंपनी द्वारा जारी कोयला आपूर्ति निविदा से जुड़े रिश्वतखोरी के एक मामले में धन शोधन निरोधक कानून के तहत सोमवार को दोषी ठहराया। विशेष न्यायाधीश (भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम) शैलेन्द्र मलिक की अदालत ने श्रीवास्तव, उनकी पत्नी चांदनी श्रीवास्तव, उनके मित्र भूषण लाल (बी एल) बजाज और बजाज की पत्नी अनीता बजाज को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की धारा 3 एवं धारा 4 के तहत दोषी करार दिया।

उदघाटन

सोमवार को कनकपुरा के कोडिहल्ली उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार पहुंचे। जहां उन्होंने सब्जी मंडी का उद्घाटन किया। साथ ही, विभिन्न विभागों द्वारा स्थानीय लाभार्थियों को टैक्सियाँ और दिव्यांगों को दोपहिया वाहन वितरित किए गए। इस अवसर पर पूर्व सांसद एवं बामुल के अध्यक्ष डीके सुरेश और विधायक इकबाल हुसैन आदि उपस्थित थे।

मुडा मामला : सुरजेवाला ने भाजपा पर 'फर्जी प्रचार' का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं कर्नाटक प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर एमयूडीए मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ झूठे आरोप गढ़ने का सोमवार को आरोप लगाया। उन्होंने मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के नोटिस को रद्द करने वाले कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखने के उच्चतम न्यायालय के निर्णय का स्वागत किया। मीडिया की खबरों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय के फैसले ने ईडी-भाजपा साझेदारी के फर्जी प्रचार को उजागर कर दिया।

कांग्रेस नेता ने एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, भाजपा ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ एमयूडीए को लेकर झूठे आरोप गढ़े। भाजपा ने एमयूडीए को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या के खिलाफ महीनों तक विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा ने राज्यपाल के कार्यालय का दुरुपयोग किया और एमयूडीए को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री और उनकी पत्नी के खिलाफ ईडी का इस्तेमाल किया। भाजपा ने दुर्भावनापूर्ण तरीके से एमयूडीए को लेकर कर्नाटक के मुख्यमंत्री पर झूठे आरोप लगाए।

उन्होंने कहा, आज उच्चतम न्यायालय और इससे पहले उच्च न्यायालय ने ईडी-भाजपा साझेदारी के फर्जी प्रचार को खारिज कर दिया है।

सत्य की जीत हुई है। सत्यमेव जयते। मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामला मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती सिद्दरामय्या को आवंटित भूमि में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। यह आरोप लगाया गया था कि मैसूरु के एक उच्चस्तरीय क्षेत्र में पार्वती को हर्जाने के तौर पर दिए गए भूखंड का मूल्य उनके उस भूखंड की तुलना में अधिक था, जिसे एमयूडीए ने अधिग्रहित किया था।

ईडी ने दोनों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत नोटिस जारी किए थे, जिन्हें बाद में कर्नाटक उच्च न्यायालय ने रद्द कर दिया था। ईडी ने विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) के माध्यम से उच्च न्यायालय के फैसले को शीर्ष अदालत में चुनौती दी थी।

मुडा मामले में मनगढ़ंत आरोप लगाने वाले नेताओं को माफी मांगनी चाहिए : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने एमयूडीए साइट आवंटन मामले को लेकर सोमवार को केंद्र सरकार की आलोचना की। उन्होंने कहा, 'मेरी पत्नी पार्वती की जांच करने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अपील को खारिज करने वाला उच्चतम न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला केंद्र सरकार की प्रतिशोध की राजनीति के मुंह पर एक जोरदार तमाचा है।'

उन्होंने कहा कि इस फैसले ने न केवल मामले के पीछे की दुर्भावना को उजागर किया, बल्कि सभी निराधार आरोपों से भी हमारा नाम स्पष्ट रूप से हटा दिया है। मैं उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन द्वारा दिए गए फैसले का विनम्रतापूर्वक स्वागत करता हूं। मैंने अपने लंबे राजनीतिक जीवन में हमेशा कानून के शासन के समक्ष सिर झुकाया है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि यह फैसला उसी विश्वास को पुष्ट और संरक्षित करता है। मुझे राजनीतिक रूप से पराजित करने में असमर्थ भारतीय जनता पार्टी और उसके सहयोगी दल मेरी पत्नी के खिलाफ निराधार मामले गढ़ने और मेरे परिवार को परेशान करने के लिए सीबीआई और ईडी जैसी संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग करने पर उतर आए थे। सिद्दरामय्या ने कहा कि यह न केवल सत्ता का दुरुपयोग है, बल्कि एक शर्मनाक और कायराना कृत्य भी है। हमें जो मानसिक पीड़ा सहन करनी पड़ी, वह हमेशा हमारे जीवन का एक दर्दनाक अध्याय बनी रहेगी।

सिद्दरामय्या ने कहा कि मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा कहे गए शब्द मेरी अंतरात्मा और संविधान में विश्वास रखने वाले प्रत्येक भारतीय की आवाज़ को प्रतिबिंबित करते हैं, 'चुनावी लड़ाई जनता के माध्यम से लड़ी जानी चाहिए, न कि प्रवर्तन निदेशालय जैसी संस्थाओं के दुरुपयोग के माध्यम से।' यह अत्याचार के विरुद्ध उठती न्याय की आवाज़ है।

सिद्दरामय्या ने कहा कि यह फैसला न्यायपालिका में विश्वास बहाल करता है, विशेष रूप से उन सभी लोगों के बीच जो पिछले 10-11 वर्षों में आयकर, सीबीआई और ईडी के उपयोग से भाजपा के राजनीतिक उत्पीड़न के शिकार हुए हैं।

सिद्दरामय्या ने कहा कि अब भी, इस चौंकाने वाले फैसले के बाद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह को जागना होगा और राजनीतिक लाभ के लिए संवैधानिक एजेंसियों का हथियारीकरण बंद करना होगा। अब समय आ गया है कि वे इन संस्थाओं की स्वायत्तता बहाल करें और राजनीतिक दुरुपयोग के पापों से खुद को मुक्त करें। सिद्दरामय्या ने कहा कि कर्नाटक में भाजपा और जद (एस) के नेता, जिन्होंने मुडा (एमयूडीए) मामले के संबंध में मुझ पर और मेरे परिवार पर लगातार मनगढ़ंत आरोप लगाए, यदि उनमें थोड़ी भी गरिमा या शर्म बची है, तो उन्हें आगे आकर अपने निराधार आरोपों के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए। सत्यमेव जयते। मुडा मामला मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती सिद्दरामय्या को आवंटित भूमि में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। एमयूडीए मामले में आरोप है कि पार्वती से अधिगृहित जमीन के एवज में उन्हें मैसूर के एक पॉश इलाके में भूमि आवंटित की गई थी, जिसका संपत्ति मूल्य उनकी उस भूमि की तुलना में अधिक था जिसे एमयूडीए ने ''अधिगृहित'' किया था। एमयूडीए ने पार्वती को उनकी 3.16 एकड़ भूमि के बदले 50 अनुपात 50 योजना के तहत भूखंड आवंटित किए थे। एमयूडीए ने पार्वती से अधिगृहित जमीन पर एक आवासीय परियोजना विकसित की थी।

उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री की पत्नी के खिलाफ ईडी की अपील खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामलों में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के आचरण पर सवाल उठाए और मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) से भूखंड आवंटन मामले में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी के खिलाफ मामला रद्द करने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा। राजनीतिक लड़ाई में एजेंसी को एक हथियार के रूप में इस्तेमाल किए जाने के खिलाफ आगाह करते हुए प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई की अगुवाई वाली पीठ ने कहा, ''राजनीतिक लड़ाई मतदाताओं के सामने लड़ी जाए। आपका इस्तेमाल क्यों किया जा रहा है।''

प्रधान न्यायाधीश गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश को चुनौती देने वाली ईडी की अपील पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें कर्नाटक के मुख्यमंत्री की पत्नी बी.एम पार्वती से जुड़े एमयूडीए मामले की कार्यवाही रद्द कर दी गई थी। संक्षिप्त सुनवाई के दौरान प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''श्रीमान राजू (ईडी की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू), कृपया हमें मुंह खोलने के लिए मजबूर न करें। अन्यथा, हमें ईडी के बारे में कुछ कठोर टिप्पणियां करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। दुर्भाग्यवश, मुझे महाराष्ट्र में इसका अनुभव है। देशभर में इस तरह की कार्रवाई को बढ़ावा न दें। राजनीतिक लड़ाई मतदाताओं के सामने लड़ी जानी चाहिए। आपका (ईडी का) इस्तेमाल क्यों किया जा रहा है।'' अदालत ने ईडी की अपील खारिज कर दी और कर्नाटक उच्च न्यायालय के मामले को रद्द करने के फैसले को बरकरार रखा।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के नोटिस को रद्द करने संबंधी कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्णय को बरकरार रखने के उच्चतम न्यायालय के फैसले का सोमवार को स्वागत किया।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान में इस फैसले को न्याय की दिशा में एक और कदम बताया गया तथा राजनीति से प्रेरित हस्तक्षेप को एक झटका बताया गया।

संपत्ति कारोबारी की हत्या से जुड़े मामले में दो और आरोपी गिरफ्तार, भाजपा विधायक बसवराज भी हैं आरोपी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में अपराध की दुनिया से संपत्ति के कारोबार में आये एक कारोबारी की हत्या के सिलसिले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस मामले में भाजपा विधायक बिरथी बसवराज को भी आरोपी बनाया गया है। उसने बताया कि दो और लोगों की गिरफ्तारी के साथ इस मामले में अब तक सात लोग पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं।

पुलिस का कहना है कि जिन दो और संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है वे स्थानीय निवासी अरूण उर्फ तेमू एवं नवीन हैं और उन्होंने इस हत्याकांड में कथित रूप से भूमिका निभायी थी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, ''दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया, जिसके बाद उन्हें 14 दिनों की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।'' पुलिस का कहना है कि एक अन्य संदिग्ध आर डी अनिल को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। उस पर आरोप है कि उसने गाड़ी उपलब्ध करायी थी जिसका इस्तेमाल अपराध में किया गया था। के आर पुरम के विधायक बसवराज से हत्या में उनकी कथित संलिप्तता के संबंध में 19 जुलाई को तीन घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की गई थी।

पुलिस के अनुसार, शिवप्रकाश उर्फ बिकलू शिवू (40) की 15 जुलाई की रात यहां भारती नगर में हत्या कर दी गई थी। इस मामले में पांच अन्य लोगों - जगदीश, किरण, विमल, अनिल और फ्रेडरिक को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। बसवराज कर्नाटक उच्च न्यायालय के आदेश पर इस हत्याकांड की जांच से जुड़े हैं।

उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को उन्हें पूछताछ के लिए अगले दिन पेश होने का आदेश दिया था। विधायक को 23 जुलाई को फिर पूछताछ के लिए तलब किया गया है। प्राथमिकी में अपना नाम आने के बाद बसवराज अदालत पहुंचे थे और यह कहते हुए प्राथमिकी खारिज करने का अनुरोध किया था कि यह बिना किसी गुण-दोष के दर्ज कर दी गयी है। उच्च न्यायालय ने 21 जुलाई तक बसवराज को गिरफ्तारी से अंतरिम राहत प्रदान की है।

धर्मस्थला सामूहिक कब्र मामला

मंदिर प्रबंधन ने एसआईटी की जांच का किया स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। धर्मस्थला मंदिर प्रबंधन ने इलाके में सामूहिक कब्र की शिकायतों की जांच का स्वागत किया है। इस मामले की जांच स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) कर रही है। सरकार ने रविवार को वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी प्रणव मोहंती की अध्यक्षता में एसआईटी के गठन की घोषणा की थी।

धर्मस्थला के प्रवक्ता के पार्श्वनाथ जैन ने सोमवार को कहा कि हाल ही में धर्मस्थल पुलिस स्टेशन में एक मामला दर्ज हुआ था, जिसमें कहा गया था कि 'कई शवों को दफनाया गया है।' इस मामले को लेकर हाल के दिनों में राष्ट्रीय स्तर पर बहस, कयास और भ्रम पैदा हुआ है। हमारी और आम जनता की निष्पक्ष और पारदर्शी जांच की उम्मीद के तहत राज्य सरकार ने इस मामले की जांच के लिए इसे विशेष जांच टीम (एसआईटी) को सौंप दिया है।

जैन ने कहा, सच्चाई और विश्वास ही समाज की नैतिकता और आस्था की सबसे मजबूत नींव होते हैं। इसलिए हमारी ईमानदार उम्मीद और मांग है कि एसआईटी इस मामले की गहराई से जांच करे और सच्चाई सामने लाए। इस बीच, एसआईटी मामले की जांच अपने हाथ में लेने के लिए पूरी तरह तैयार है। फिलहाल, धर्मस्थल पुलिस प्रारंभिक जांच कर रही है। एसआईटी टीम जल्द ही मंगलुरु आकर जांच शुरू कर सकती है।

कर्नाटक में सिद्दरामय्या सरकार ने धर्मस्थल में हुई कथित हत्याओं की जांच के लिए चार सीनियर आईपीएस अफसरों वाली एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) बनाई है। यह टीम इस मामले की गहराई से जांच करेगी। सेवानिवृत्त सुप्रीम कोर्ट जज वी गोपाल गौड़ा और कई कार्यकर्ताओं ने एसआईटी (विशेष जांच टीम) बनाने की मांग की है। यह मामला विवाद खड़ा कर सकता है क्योंकि धर्मस्थल, कर्नाटक का एक प्रमुख हिंदू तीर्थ स्थल है। बता दें कि कर्नाटक सरकार ने रविवार को एक आदेश जारी किया।

इसमें एक एसआईटी (विशेष जांच दल) बनाई गई है। इस टीम का नेतृत्व वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी और आंतरिक सुरक्षा विभाग के डीजीपी प्रोणब मोहंती करेंगे। उनके साथ डीआईजी (भर्ती) एमएन अनुचेत, डीसीपी (सिटी आर्म्ड रिजर्व) सौम्यलता और आंतरिक सुरक्षा विभाग के एसपी जितेंद्र कुमार भी इस टीम में शामिल होंगे।

मौसम विभाग ने तटीय क्षेत्रों में भारी बारिश का अनुमान जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सोमवार को दक्षिण कन्नड़, उडुपी और उत्तर कन्नड़ जिलों के कुछ हिस्सों में अगले 24 घंटे में भारी से बहुत भारी वर्षा होने का अनुमान जताया। आईएमडी के अनुसार, उडुप्पी जिले के हंगालोरू में रविवार को सबसे अधिक 92 मिमी बारिश हुई, जबकि गडग जिले में 77.1 मिमी बारिश दर्ज की गई, जो जुलाई में अब तक की तीसरी सबसे अधिक बारिश है। संबंधित क्षेत्र में 2005 में 89.7 मिमी और 2022 में 87.1 मिमी बारिश दर्ज की गई थी। गडग में 29 सितंबर, 1960 को अब तक की सबसे अधिक 136.4 मिमी बारिश दर्ज की गई थी।

इसने कहा कि बेंगलूरु के ग्रेटर बेंगलूरु क्षेत्र में सोमवार को 4 से 10 मिमी के बीच बारिश होने की संभावना है। राज्य की राजधानी में रविवार को 6.5 मिमी बारिश हुई। उडुप्पी जिले के रेंजला (73.5 मिमी) और हकलाड़ी (70 मिमी) कर्नाटक के अन्य स्थान हैं जहां रविवार को 70 मिमी से अधिक बारिश हुई। मौसम विभाग ने कर्नाटक के बीदर, कलबुर्गी, रायचूर और यादगीर जिलों के कुछ हिस्सों में सोमवार को भारी बारिश का अनुमान जताया है। इसने कहा कि चिक्कमगलुरु, कोडागु, हसन, शिवमोगा, मंडया, मैसूरु, चामराजनगर, बल्लारी, चिक्कबल्लापुरा, चित्रदुर्गा, दावणगेरे, कोलार और विजयनगर जिलों के कुछ हिस्सों में भारी बारिश होने की संभावना है।

न्यायालय ने आपराधिक मामले में भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या को मिली राहत बरकरार रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कर्नाटक सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद तेजस्वी सूर्या के खिलाफ आपराधिक मामला रद्द करने के उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी गई थी। प्रधान न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ ने कहा, यह क्या है? मामले का राजनीतिकरण मत कीजिए। चुनाव मैदान में अपनी लड़ाई लड़िए। सूर्या पर राज्य के हावेरी जिले में एक किसान की आत्महत्या की फर्जी खबर फैलाने का आरोप था।

पीठ ने राज्य सरकार की अपील खारिज कर दी और उसे कानूनी कार्यवाही के राजनीतिकरण के खिलाफ चेतावनी दी। यह मामला सूर्या द्वारा सात नवंबर, 2024 को साझा की गयी पोस्ट से उत्पन्न हुआ था। सूर्या ने कई कन्नड़ समाचार पोर्टल की एक खअर का हवाला दिया था, जिसमें दावा किया गया था कि रुद्रप्पा चन्नप्पा बालिकाई नामक एक किसान ने इसलिए आत्महत्या कर ली थी कि क्योंकि उसे पता चला था कि वक्फ बोर्ड द्वारा उसकी जमीन ले ली है। बाद में सूर्या को जब पता चला कि यह दावा निराधार है तो उन्होंने पोस्ट को हटा दिया गया।

नासा-इसरो उपग्रह निसार का प्रक्षेपण 30 को होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से नासा-इसरो संयुक्त उपग्रह 'निसार' को 30 जुलाई की शाम पांच बजकर 40 मिनट पर प्रक्षेपित किया जाएगा। अंतरिक्ष एजेंसी ने सोमवार को यह जानकारी दी। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अनुसार, जीएसएलवी-एफ16 सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) उपग्रह को %43 किलोमीटर दूर सूर्य-समकालिक कक्षा में स्थापित करेगा और इसका झुकाव 98.4 डिग्री होगा। इसरो ने एक विज्ञप्ति में बताया कि निसार पहली बार स्वीपएसएआर प्रौद्योगिकी का उपयोग करेगा, जिसके तहत 242 किलोमीटर के दायरे में पृथ्वी की निगरानी करेगा। इसमें कहा गया कि यह उपग्रह पूरी दुनिया की निगरानी करेगा और हर 12 दिन में हर मौसम, दिन और रात के आंकड़े व जानकारी उपलब्ध कराएगा, जिससे कई क्षेत्रों में इसका उपयोग किया जा सकेगा।

अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार, निसार उपग्रह पृथ्वी की सतह पर होने वाले बदलाव, हिमस्खलन और पेड़-पौधे तथा वनस्पति में किसी भी तरह के बदलाव और यहां होने वाले हर छोटे-छोटे परिवर्तन का भी पता लगा सकता है। इसके अलावा समुद्री बर्फ का वर्गीकरण, जहाज का पता लगाना, तटरेखा की निगरानी, मिट्टी की नमी में परिवर्तन, सतही जल संसाधनों का मानचित्रण और निगरानी तथा आपदा मोचन आदि अनुप्रयोग में भी यह काम करेगा। निसार 2,392 किलोग्राम वजन वाला एक अद्वितीय पृथ्वी अवलोकन उपग्रह है।

अन्नाद्रमुक के संगठन सचिव एवं पूर्व सांसद अनवर राजा द्रमुक में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के संगठन सचिव एवं पूर्व सांसद अनवर राजा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन की उपस्थिति में सोमवार को द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) में शामिल हो गए। अन्नाद्रमुक के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ चुनावी गठबंधन बनाने के बाद से राजा ने पार्टी महासचिव ई. के. पलानीस्वामी पर कई बार निशाना साधा है। राज्य के रामनाथपुरम से विपक्षी दल का अल्पसंख्यक चेहरा राजा ने कहा कि तमिलनाडु को केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा हिंदी थोपे जाने और राज्य की स्वायत्तता छीनने जैसी चुनौतियों से बचाने के लिए उनके पास द्रमुक में शामिल के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने पत्रकारों से कहा, ''भाजपा का एजेंडा पहले अन्नाद्रमुक को खत्म करना और फिर द्रमुक के खिलाफ लड़ना है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक बार भी यह नहीं कहा है कि पलानीस्वामी मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार होंगे। उन्होंने केवल इतना कहा कि तमिलनाडु में राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) की सरकार बनेगी।''इस राजनीतिक घटनाक्रम के बाद अन्नाद्रमुक ने राजा को पार्टी से निकाल दिया। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अनवर राजा के द्रमुक में शामिल होने से अन्नाद्रमुक को कोई फर्क नहीं पड़ेगा। राजा और राज्य के कुछ पूर्व मंत्रियों का मानना है कि भाजपा का मकसद चुनाव लड़ना नहीं है बल्कि राज्य के द्रविड़ दलों का अस्तित्व मिटाना है।

द्रमुक के राज्य स्थित मुख्यालय 'अन्ना अरिवालयम' में राजा ने कहा, ''हमने पलानीस्वामी को पहले ही बता दिया था कि अगर अन्नाद्रमुक, भाजपा से गठबंधन करती है तो भाजपा उसे भी खत्म कर देगी जैसे वह गैर-भाजपा शासित राज्यों में कर रही है। पश्चिम बंगाल में क्या हो रहा है, देख लीजिए।'' पूर्व सांसद ने आरोप लगाया कि तमिलनाडु में भाजपा एक ''नकारात्मक ताकत'' है और जनता उसे कभी स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कहा, मैंने पहले ही अन्नाद्रमुक के नेताओं से पार्टी को बचाने की अपील की थी लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं था। इसलिए जब कोई रास्ता नहीं बचा तो मुझे द्रमुक में शामिल होना पड़ा..मेरे पास यही विकल्प था।

उन्होंने दावा किया कि ''थलापति'' (एम.के. स्टालिन) फिर से मुख्यमंत्री जरूर बनेंगे। लोग पूर्व मुख्यमंत्री सी. एन. अन्नादुरै के समय से ही नेताओं की काबिलियत के आधार पर वोट देते आए हैं।

निजी बस के नदी में गिरने से एक व्यक्ति की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कारवार। कर्नाटक के कारवार में एक निजी बस सोमवार तड़के एक पुल से टकराने के बाद नदी में गिर गई, जिससे उसमें सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और 21 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान हुबली निवासी विनायक शिंदे के रूप में हुई है।

यह दुर्घटना उत्तर कन्नड़ जिले के अगासुर गांव के पास तड़के लगभग तीन बजे हुई। निजी बस मंगलूरु जा रही थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने प्रारंभिक जांच के आधार पर बताया कि चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था और गड्ढों से बचने की कोशिश में वह वाहन पर से अपना नियंत्रण खो बैठा, जिससे गाड़ी पुल से टकराकर पलट गई और नदी में गिर गई।

बस में सवार यात्रियों को स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बचाया गया लेकिन एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारी ने बताया कि हादसे में एक पुरुष यात्री की मौत हो गई और 18 अन्य लोग मामूली रूप से घायल हो गए। घायलों को इलाज के लिए पास के अस्पताल ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि क्रेन की मदद से बस को नदी से बाहर निकाला गया और मामले की जांच जारी है।

हासन-सोलापुर एक्सप्रेस के एक डिब्बे से धुआं निकलने से अफरा-तफरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कलबुर्गी। कलबुर्गी जिले में हासन-सोलापुर एक्सप्रेस के एक डिब्बे से सोमवार सुबह धुआं निकलने के कारण उसमें सवार यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। रेलवे सूत्रों ने बताया कि यह घटना सुबह करीब पौने छह बजे जिले के मरुदुर गांव के पास उस समय हुई जब ट्रेन संख्या 11312 सोलापुर जा रही थी। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, तकनीकी खराबी के कारण चौथे कोच के 'ब्रेक बाइंडिंग' से धुआं निकलता देखा गया। मरुदुर में रेलवे कर्मचारियों ने धुआं उठता देख तुरंत ट्रेन रोकने का 'सिग्नल' दिया। ट्रेन के रुकते ही यात्री अपना सामान लेकर जल्दी से बाहर निकल गए। हालांकि, रेलवेकर्मियों ने तकनीकी खामी को तुरंत दूर किया। अधिकारियों ने खराबी का कारण जानने के लिए तकनीकी निरीक्षण शुरू कर दिया है।

राज्य को सहकारिता में सर्वश्रेष्ठ बनाने के लिए एकजुट होकर करने होंगे पुरजोर प्रयास : दक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सहकारिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम कुमार दक ने कहा कि विगत 17 जुलाई को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की गरिमामयी उपस्थिति में आयोजित हुआ 'सहकार एवं रोजगार उत्सव' राज्य के सहकारी सेक्टर को मजबूत बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि हमें राज्य में सहकारी सेक्टर को और अधिक मजबूत करने के लिए एकजुट होकर पूरे मनोयोग से प्रयास करने होंगे।

दक सोमवार को अपेक्स बैंक सभागार में 'सहकार एवं रोजगार उत्सव' के सफल आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले विभागीय अधिकारियों-कर्मचारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सभी को धन्यवाद देते हुए कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी ने अपना श्रेष्ठ योगदान दिया। सभी लोगों ने टीम भावना के साथ समन्वय बनाकर कार्य किया, जिसके अच्छे परिणाम आए और कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित हो सका। आयोजन में 90 प्रतिशत से भी अधिक भागीदारी सहकारी आन्दोलन से जुड़े लोगों की रही और कार्यक्रम के माध्यम से राजस्थान के सहकारी आन्दोलन का पूरे देश में एक अच्छा मैसेज गया। सहकारिता मंत्री ने कहा कि सरकार सहकारी सेक्टर को सशक्त बनाने के लिए पूरा सहयोग दे रही है और हमें भी अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के अंतर्गत पुरजोर प्रयास करते हुए 'को-ऑपरेटिव बिल्ड अ बेटर वर्ल्ड' के ध्येय वाक्य को साकार करना होगा। उन्होंने उम्मीद जताई की केन्द्रीय सहकारिता मंत्री की मंशा के अनुरूप राजस्थान आगामी समय में सहकारिता में देश में सर्वश्रेष्ठ होगा।

सहकारिता विभाग की प्रमुख शासन सचिव एवं रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां श्रीमती मंजू राजपाल ने कहा कि आयोजन के संबंध में जिसको जो जिम्मेदारी दी गई थी, उसने उसे पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ निभाया। विभाग के मंत्री दक ने कार्यक्रम के सफल आयोजन की जिम्मेदारी स्वयं अपने कंधों पर लेकर दिन-रात मेहनत की, जिससे सभी को प्रोत्साहन मिला। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र में अभी हम देश के शीर्ष 5 राज्यों में शामिल हैं, लेकिन हमें शीर्ष स्थान पर काबिज होना है। इसके लिए हम उत्साहित हैं और गैप्स को दूर करने का प्रयास कर रहे हैं। श्रीमती राजपाल ने कहा कि 'सहकार से समृद्धि' और बजट घोषणा के बिन्दुओं पर हम अधिक मेहनत कर उनकी बेहतर क्रियान्विति सुनिश्चित करेंगे। इस अवसर पर संयुक्त शासन सचिव दिनेश कुमार जांगिड़, अतिरिक्त रजिस्ट्रार (प्रथम) श्रीमती शिल्पी पांडे एवं अतिरिक्त रजिस्ट्रार (द्वितीय) संदीप खण्डेलवाल सहित आयोजन के संबंध में गठित कमेटियों के प्रभारी अधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे।

जयपुर में चाकू से हमला कर युवक की हत्या, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के जयपुर के पालड़ी मीणा इलाके में रविवार देर रात 22 वर्षीय एक युवक की पुरानी रंजिश के कारण चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि मुख्य आरोपी अनस को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया गया और उसके पैर में गोली लगी है। पुलिस के मुताबिक, रविवार रात आरोपी अनस ने चाकू से वार कर विपिन को घायल कर दिया था।

पुलिस ने बताया कि विपिन को घायल अवस्था में एक अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। यह घटना विपिन के घर के पास हुई। पुलिस ने बताया कि अनस और विपिन के बीच पुरानी रंजिश थी। पुलिस के मुताबिक, रविवार देर रात अनस व उसके दोस्तों ने विपिन को उसके घर के पास पकड़ लिया, जिसके बाद दोनों के बीच बहस हुई और इसी दौरान आरोपी ने चाकू से हमला कर दिया।

पुलिस ने मुख्य आरोपी अनस को सोमवार दोपहर बाद मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक, आरोपी ने एक पुलिसकर्मी से पिस्तौल छीनकर भागने की कोशिश की, जिसके बाद हुई मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लगी। इससे पहले मृतक के परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और स्थानीय लोगों ने सोमवार को आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर जयपुर-आगरा राजमार्ग जाम कर दिया था।

जामडोली के थानाधिकारी मनोज कुमार ने बताया कि राजमार्ग पर यातायात बहाल कर दिया गया था। अधिकारी ने बताया कि परिवार के सदस्यों की सहमति न मिलने के कारण शव का पोस्टमार्टम नहीं कराया जा सका। उन्होंने बताया कि कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इलाके में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है।

कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस घटना को लेकर राज्य में कानून व्यवस्था पर सवाल उठाया। उन्होंने 'एक्स' पर कहा, राजस्थान में कानून नाम की कोई चीज नहीं बची और कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है।

अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्हें न तो पुलिस का डर है, और न ही सरकार का। डोटासरा ने आरोप लगाया, भाजपा सरकार की लचर व्यवस्था में बदमाश बेखौफ और बेलगाम होकर अपराध की घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह घटना सिर्फ बढ़ते अपराध को नहीं बल्कि भाजपा सरकार के कमजोर शासन और नाकामी को दर्शाती है।

भारी बारिश से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद

जयपुर। राजस्थान में मौसम विभाग ने इस सप्ताह और अगले सप्ताह बारिश की गतिविधियों में कमी का पूर्वानुमान जताया है, जिससे राज्य में कई दिनों से जारी भारी बारिश से लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार, राज्य के ऊपर बना अवदाब कमजोर होकर कम दबाव के क्षेत्र में बदल चुका है तथा वर्तमान में दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान व आसपास के पाकिस्तान से सटे क्षेत्र के ऊपर अवस्थित है। 21 और 22 जुलाई को उत्तरी व दक्षिण-पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में हल्की से मध्यम बारिश की गतिविधि दर्ज होने की संभावना है। राज्य के अधिकतर हिस्सों में इस सप्ताह और आगामी सप्ताह में भारी बारिश की गतिविधियों में कमी रहेगी। हालांकि, राज्य के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं, बीते 24 घंटे में सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक पूर्वी राजस्थान में कहीं कहीं हल्की वर्षा व पश्चिमी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा दर्ज की गई।

न्यायाधीश राजेंद्रन ने उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन ने सोमवार को यहां राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। राजभवन में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने राजेन्द्रन को राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश पद की शपथ दिलाई। न्यायमूर्ति श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन ने अंग्रेजी में शपथ ली। समारोह के प्रारम्भ में मुख्य सचिव सुधांश पंत ने राज्यपाल से न्यायाधीश श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन को शपथ दिलाने का आग्रह किया। पंत ने इससे पहले राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु द्वारा जारी मुख्य न्यायाधीश की नियुक्ति अधिसूचना पढ़कर सुनायी। समारोह में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी और डॉ. प्रेमचंद बैरवा भी मौजूद रहे।

जयपुर को शीर्ष पांच वैश्विक पर्यटन शहरों में जगह डबल इंजन सरकार के प्रयासों का परिणाम : दीया कुमारी

जयपुर। राजस्थान की उपमुख्यमंत्री एवं पर्यटन मंत्री दीया कुमारी ने राजधानी जयपुर को ट्रैवल प्लस लीजर वर्ल्ड्स बेस्ट अवार्ड्स-2025 की सूची में विश्व के शीर्ष पांच पर्यटन शहरों में स्थान मिलने की उपलब्धि को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदृष्टि और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार के सतत प्रयासों का प्रतिफल बताया है। श्रीमती दीया कुमारी ने इस उपलब्धि पर सोमवार को खुशी जाहिर करते हुए कहा कि यह भारत के लिए गौरव का क्षण है। मोदी की पर्यटन को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने की सोच, 'डबल इंजन की सरकार' की नीति और राजस्थान सरकार द्वारा किए जा रहे निरंतर प्रयासों का ही नतीजा है कि आज जयपुर जैसे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक शहर को दुनिया में इतना सम्मान मिला है।

उन्होंने पर्यटन विभाग की कार्यशैली की सराहना करते हुए कहा कि राज्य सरकार द्वारा पर्यटन अवसंरचना, संस्कृति संरक्षण और आधुनिक सुविधाओं के विकास के लिए जो योजनाएं चलाई जा रही हैं, उनसे राजस्थान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान मिल रही है।

पाँच दिवसीय 'कृषक सखी सीआरपी प्रशिक्षण' का सफल समापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के प्रसार शिक्षा निदेशालय में राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के अंतर्गत कृषि विभाग द्वारा आयोजित पाँच दिवसीय 'कृषक सखी/सीआरपी प्रशिक्षण' का 19 जुलाई 2025 को सफलता पूर्वक आयोजित हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कुलपति कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर डॉ. बलराज सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को खेत में उपलब्ध समस्त संसाधनों का समुचित उपयोग करते हुए प्राकृतिक खेती करने एवं प्राकृतिक खेती के महत्व के बारे में बताया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि ईश्वर लाल यादव, अतिरिक्त निदेशक कृषि (विस्तार) खंड जयपुर ने मानव शरीर में वर्तमान में हो रही विभिन्न प्रकार की बीमारियों से बचने एवं जहर मुक्त खाद्यान्न उत्पादन में प्राकृतिक खेती के महत्व को बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे निदेशक प्रसार शिक्षा कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर डॉ. एस आर ढाका ने प्राकृतिक खेती को लेकर जागरूकता फैलाने पर जोर दिया। उपनिदेशक कृषि एवं पदेन परियोजना निदेशक, आत्मा, जयपुर भगवान सहाय यादव ने कृषि सखियों के कार्यों एवं दायित्वो के बारे में बताया।

सहायक निदेशक कृषि विस्तार जोबनेर डॉ. सुरेश यादव ने राष्ट्रीय प्राकृतिक खेती मिशन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। प्रशिक्षण के दौरान प्रशिक्षणार्थियों को रुद्र शिवम डेयरी भैराणा एवं कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर के प्राकृतिक खेती की यूनिट का क्षेत्र भ्रमण भी करवाया गया। इस दौरान प्रशिक्षण समन्वयक डॉ. बनवारी लाल आसिवाल, डॉ. रामावतार शर्मा, डॉ. रोशन चौधरी, कृषि अधिकारी दिनेश कुमावत आदि उपस्थित रहे।

नई राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी से सुनियोजित शहरी विकास को मिलेगी गति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विकसित राजस्थान-2047 के लक्ष्य की प्राप्ति में सुनियोजित नगरीय विकास की अहम भूमिका है। इससे आर्थिक गतिविधियों को तेजी से बढ़ावा मिलता है जिससे बुनियादी ढांचे में निरंतर सुधार आने के साथ-साथ निवेश और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होती है। इसी लक्ष्यों की प्राप्ति के क्रम में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में आयोजित मंत्रिमंडल बैठक ने नई राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी का अनुमोदन किया है, जिससे राजस्थान सुनियोजित नगरीय विकास के क्षेत्र में अग्रणी राज्य बन सकेगा।

राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी-2024 के प्रावधान ऐसी योजनाओं के निर्माण का मार्ग प्रशस्त करते हैं जिनमें रहवासियों को बेहतर जीवन स्तर मिल सके। जिसमें सुबह की सैर के लिए पार्क भी हो और वर्षा तथा अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण की व्यवस्था भी हो। नीति के अंतर्गत सभी योजनाओं में हरित क्षेत्र की अनिवार्यता की गई है। सभी क्षेत्रफल की आवासीय योजनाओं में एकरूपता के दृष्टिगत 7 प्रतिशत पार्क-खेल मैदान एवं 8 प्रतिशत सुविधा क्षेत्र का प्रावधान किया गया है।

जरूरतमंद को आवास जैसी बुनियादी सुविधा का लाभ सुनिश्चित हो, इस ध्येय को भी नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। नीति के अंतर्गत सभी योजनाओं में ईडब्ल्यूएस-एलआईजी हेतु आरक्षित भूखण्डों का आवंटन स्थानीय निकाय के माध्यम से किये जाने का प्रावधान रखा गया है। इस प्रावधान से पात्र ईडब्ल्यूएस-एलआईजी व्यक्तियों को आवास की उपलब्धता पारदर्शिता के साथ सुनिश्चित हो सकेगी। औद्योगिक योजनाओं में श्रमिको के निवास के लिए न्यूनतम 5 प्रतिशत क्षेत्रफल के भूखण्ड का प्रावधान किया गया है। इससे श्रमिकों को औद्योगिक ईकाईयों के समीप ही आवास उपलब्ध हो सकेंगे जिससे उनको आवागमन के समय में बचत होगी और उनकी कार्यकुशलता में वृद्धि भी होगी।

जयपुर में 27 एवं 28 को मनाया जाएगा दो दिवसीय तीज उत्सव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति व पुरातत्व राजेश यादव की अध्यक्षता तथा पर्यटन आयुक्त श्रीमती रूकमणि रियाड़ एवं विभिन्न विभागों के अधिकारियों की उपस्थिति में तीज का उत्सव और अधिक भव्यता से मनाने और तीज माता की शोभायात्रा की व्यवस्थाओं की तैयारी के सम्बन्ध में सोमवार को जयपुर स्थित पर्यटन भवन में बैठक आयोजित की गई।

प्रमुख शासन सचिव पर्यटन राजेश यादव ने कहा कि 27 एवं 28 जुलाई को जयपुर में दो दिवसीय तीज उत्सव का आयोजन पहले से और अधिक भव्य और आकर्षक रूप में किया जाएगा। जिसमें राजस्थान की रंग-बिरंगी संस्कृति और परम्पराएं अद्भुत व आकर्षक रूप से प्रदर्शित होंगी। तीज उत्सव में जयपुर के आम नागरिक और देशी विदेशी पर्यटक बड़ी संख्या में सम्मिलित होंगे।

प्रमुख शासन सचिव पर्यटन ने दो दिवसीय तीज उत्सव के सम्पूर्ण आयोजन की रूप रेखा पर चर्चा करते हुए बताया कि तीज माता के शोभायात्रा में इस बार राजस्थान की लोक कलाओं में उत्कृष्ठ रूप से पारंगत लगभग 200 लोक-कलाकार अपनी कलाओं का प्रदर्शन करेंगे।

यादव ने बताया कि इस बार पॉण्ड्रीक पार्क में तीज मेले का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा मेले में महिलाओं के द्वारा तैयार सामान का क्राफ्ट मार्केट लगाया जाएगा। मेले में फूड स्टाल्स के साथ महिलाओं के लिए झूले, मेहन्दी माण्डणे की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने बताया कि पॉण्ड्रीक पार्क में लोक कलाकारों द्वारा कला प्रदर्शन किया जाएगा। इसी प्रकार छोटी चौपड पर तीज माता की पूजा की जाएगी एवं कलाकारों द्वारा रोचक प्रस्तुतियां भी दी जाएंगी।

प्रमुख शासन सचिव ने कहा कि जयपुर के इस अत्यंत लोक प्रिय तीज उत्सव के आयोजन का विभिन्न विभागों की वेबसाईट, पर्यटन विभाग की वेबसाईट और सोशल मीडिया प्लेटेङ्कफॉर्म्स पर वृहद प्रचार प्रसार किया जाए।

मंत्री कुमावत ने किया देवाधिदेव महादेव का रूद्राभिषेक

जयपुर। श्रावण मास के दूसरे सोमवार को देवस्थान विभाग की ओर से 80 से अधिक राजकीय व प्रन्यास प्रबंधित शिव मंदिरों रुद्धाभिषेक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी कड़ी में देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने सोमवार को जयपुर के त्रिपोलिया बाजार स्थित राजकीय प्रत्यक्ष प्रभार मंदिर श्री प्रतापेश्वर मंदिर में सहस्त्रधारा रुद्राभिषेक किया। मंत्री कुमावत ने रूद्रीपाठ के उच्चारण के बीच विधि-विधान के साथ रूद्राभिषेक कर देवाधिदेव महादेव से लोकमंगल और राष्ट्रकल्याण की प्रार्थना की। रुद्राभिषेक के उपरांत कुमावत ने शिवोपासना का अनुष्ठान संपन्न किया। इस दौरान देवस्थान विभाग के मंदिरों के पुजारियों ने शुक्ल यजुर्वेद संहिता के रुद्राष्टाध्यायी के महामंत्रों द्वारा रुद्राभिषेक का अनुष्ठान पूर्ण कराया। रुद्राभिषेक के बाद मंत्री कुमावत ने आरती कर चराचर जगत के कल्याण के लिए आदियोगी महादेव से प्रार्थना की।

भारत-जर्मन तकनीक से माउंट आबू में स्थापित किया गया विशाल सौर ऊर्जा संयंत्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में पर्यावरण संरक्षण और प्रदूषण को कम करने की दिशा में एक कदम आगे बढ़ाते हुए केंद्र सरकार ने जर्मनी के साथ मिलकर माउंट आबू में एक सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया है। माउंट आबू में ब्रह्माकुमारी संस्थान के मुख्यालय शांतिवन के पास स्थापित 'इंडिया वन सोलर थर्मल पावर प्लांट' सौर ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार के लिए एक नजीर बन गया है। ऐसा दावा किया जा रहा है कि यह दुनिया का पहला सौर तापीय विद्युत संयंत्र है, जो 24 घंटे चलता है।

इस संयंत्र से उत्पन्न होने वाली ऊर्जा से संस्थान की रसोइयों में बिजली या रसोई गैस का इस्तेमाल किए बिना हर दिन 50,000 लोगों के लिए ताजा, गर्म शाकाहारी भोजन तैयार किया जाता है। यह संयंत्र 35 एकड़ में फैला है। एक मेगावाट क्षमता वाला यह सौर संयंत्र भारत के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, जर्मनी के पर्यावरण एवं परमाणु सुरक्षा मंत्रालय और 'अंजर्मन फेडरल एंटरप्राइज फॉर इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन' के बीच सहयोग का परिणाम है।

ब्रह्माकुमारीज के एक प्रवक्ता ने बताया, सबसे अहम बात यह इसके (सौर संयंत्र) 90 फीसदी कलपुर्जे और उपकरण भारत में ही बने हैं। इसमें लगे सभी 770 'पैराबोलिक रिफलेक्टिव डिश' को ब्रह्माकुमारीज के इंजीनियर की टीम ने बनाया है।

उन्होंने बताया कि इस संयंत्र की कुल क्षमता एक मेगावॉट है हालांकि वर्तमान में प्रति दिन 16 हजार यूनिट बिजली का उत्पादन किया जा रहा है। अधिकारी ने बताया कि भविष्य में इसे पूरी क्षमता के साथ बिजली उत्पादन करने की योजना पर काम जारी है। उन्होंने बताया कि संयंत्र में कुल 770 पैराबोलिक रिफ्लेक्टर लगे हैं और एक रिफ्लेक्टर 600 वर्ग फुट का होता है। अधिकारी ने बताया कि सूरज की किरणें रिफ्लेक्टर पर लगे कांच से टकराती हैं और रिफ्लेक्टर के पास बना 'फिक्स फोकस बॉक्स' फिर इन किरणों को प्राप्त करता है।

उन्होंने बताया कि इससे अंदर बने कॉइल में पानी से भाप बनती है और इसी भाप से यहां बनी रसोई में खाना बनता है। प्रवक्ता ने बताया कि इस संयंत्र में लगे 'थर्मल स्टोरेज' और 'स्टीम जनरेशन' की मदद से रात में भी बिजली मिलती रहती है। उन्होंने बताया, थर्मल स्टोरेज' में 24 घंटे तापीय ऊर्जा संग्रहित होने से इसका उपयोग रात में किया जाता है। इस तरह की तकनीक भारत में पहली बार यहां आबू रोड में उपयोग की जा रही है। कुल बिजली उत्पादन में से आठ हजार यूनिट बिजली संस्था में उपयोग हो रही है।

इस सौर संयंत्र की शुरुआत 1990 में उस समय हुई, जब जर्मन वैज्ञानिक वोल्फगैंग सिफलर ने भारत में इस तकनीक का एक छोटा सा संस्करण पेश किया था। प्रवक्ता ने बताया कि वे चाहते थी आदिवासी इस मॉडल के जरिए खाना बना लें और लड़कियां न जलानी पड़ें। उन्होंने बताया कि सिफलर के मॉडल से प्रेरित होकर स्थानीय इंजीनियरों और शोधकर्ताओं ने इस अवधारणा को पूरी तरह से चालू बिजलीघर में बदला। प्रवक्ता ने बताया कि 80 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश और पांच वर्षों के निर्माण के बाद यह संयंत्र आज टिकाऊ और विकेन्द्रीकृत ऊर्जा उत्पादन का कार्यशील मॉडल है। उन्होंने बताया कि दुनिया भर के शोधकर्ता और छात्र हर वर्ष इस संयंत्र के परिचालन का अध्ययन करने के लिए इस स्थल पर आते हैं।

प्रवक्ता ने बताया कि इस परियोजना को मॉड्यूलर, लागत प्रभावी और स्थानीय सामग्रियों से बना होने के लिए सराहा जाता है। उन्होंने बताया कि आसान रखरखाव और विश्वसनीय दीर्घकालिक निष्पादन की विशेषता के कारण विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे संयंत्र भारत के उन हिस्सों में भी लगाए जा सकते हैं, जहां प्रचुर मात्रा में सूरज की रोशनी आती है। अधिकारी ने बताया कि यह संयंत्र भारत की हरित ऊर्जा की ओर बढ़ने की महत्वाकांक्षा के अनुरूप होने के कारण भी महत्वपूर्ण है।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े से सोमवार को राजभवन में न्यायाधिपति श्रीराम कलपाती राजेन्द्रन ने मुलाकात की। राजस्थान उच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधिपति के रूप में शपथ ग्रहण से पूर्व उनकी राज्यपाल बागडे से यह शिष्टाचार भेंट थी।

ममता का आरोप, भाजपा नीत केंद्र सरकार पर अमेरिकी राष्ट्रपति का 'नियंत्रण'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए उस पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ''नियंत्रित'' होने का आरोप लगाया। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ने इस्लामाबाद के साथ हालिया तनाव के दौरान पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को वापस लेने में सरकार की विफलता पर भी सवाल उठाया।

यहां एस्प्लेनेड में तृणमूल कांग्रेस की वार्षिक शहीद दिवस रैली को संबोधित करते हुए ममता ने पहलगाम आतंकवादी हमले और उसके बाद चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' का जिक्र किया। 'ऑपरेशन सिंदूर' के तहत भारत ने सीमा पार कई आतंकवादी शिविरों पर हमला किया था। आपका नियंत्रण अमेरिकी राष्ट्रपति (डोनाल्ड ट्रंप) के हाथों में है और आप हमें उपदेश देने की जुर्रत कर रहे हैं? आप (केंद्र सरकार) उनके (अमेरिकी राष्ट्रपति) आदेशों का पालन कर रहे हैं। ममता की टिप्पणी ट्रंप के उस विवादास्पद दावे की ओर इशारा करती प्रतीत होती है, जिसमें अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि उन्होंने भारत और पाक को व्यापार बंद करने की धमकी देकर नई दिल्ली को इस्लामाबाद के साथ संघर्ष-विराम के लिए राजी किया। हालांकि, भारतीय अधिकारियों ने सैन्य संघर्ष रोकने में किसी भी तीसरे पक्ष की संलिप्तता से लगातार इनकार किया है।

हर नागरिक की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में जनता दर्शन में आए लोगों को भरोसा दिया कि हर नागरिक की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई।

बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को जनता दर्शन आयोजित किया और इस दौरान यहां प्रदेशभर से लगभग 50 से अधिक फरियादी पहुंचे।

मुख्यमंत्री हर फरियादी के पास गए, समस्याएं सुनीं, प्रार्थना पत्र लिए और आश्वस्त किया कि सरकार उनके साथ खड़ी है।

उन्होंने कहा, ''हर समस्या का निराकरण होगा और उत्तर प्रदेश के हर नागरिक की समस्याओं का समाधान सरकार की प्राथमिकता है।'' योगी ने जनता दर्शन में आए एक दिव्यांग की फरियाद सुनी और उन्हें मोटर चालित 'ट्राई साइकिल' दिलाने को कहा।

पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, रोजगार, शिक्षा, आवास, कब्जा आदि से जुड़े मामले भी आए, जिस पर प्रार्थना पत्र लेकर मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया।

जनता की समस्या सुनते हुए मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को त्वरित और संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है और सभी को न्याय मिलेगा।

बयान में कहा गया, ''मुख्यमंत्री योगी ने जनता दर्शन में अभिभावकों के साथ आए बच्चों से भी बातचीत की। उनका हालचाल जाना, दुलार किया और उनकी पढ़ाई के बारे में भी जानकारी ली।''

मुख्यमंत्री ने चॉकलेट-टॉफी प्रदान कर बच्चों को उज्ज्वल भविष्य का आशीर्वाद दिया।

सावरकर, सहजानंद सरस्वती और मानेक शॉ को भारत रत्न देने की राज्यसभा में उठी मांग

नई दिल्ली/भाषा। राज्यसभा में सोमवार को मानसून सत्र के पहले दिन एक भाजपा सदस्य ने प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी वीडी सावरकर, विख्यात समाज सुधारक स्वामी सहजानंद सरस्वती और फील्ड मार्शल मानेक शॉ को भारत रत्न देने की मांग की।

भारतीय जनता पार्टी के भीम सिंह ने विशेष उल्लेख के जरिये यह मांग उठायी। उन्होंने कहा कि इन तीनों विभूतियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में राष्ट्र को एक नई दिशा दी और गौरव दिलवाया। उन्होंने कहा, ''वीर सावरकर वो विभूति हैं जिन्हें दो आजीवन कारावास की सजा सुनायी गयी थी।'' उन्होंने कहा कि सावरकर केवल एक क्रांतिकारी ही नहीं एक विचारक, लेखक और भविष्यदृष्टा भी थे जिनसे भगत सिंह जैसे क्रांतिकारी भी प्रभावित हुए।

सिंह ने कहा कि स्वामी सहजानंद सरस्वती एक ऐसे संन्यासी थे जिन्होंने हिमालय की गुफाओं में नहीं बल्कि गांवों के खेतों में, किसानों के आंसुओं में और शोषित की पीड़ा में ईश्वर को देखा। उन्होंने किसानों को संगठित किया और जमीदारी उन्मूलन आंदोलन को दिशा दी तथा जय किसान के नारे को आगे बढ़ाते हुए एक मिशन बनाया। फील्ड मार्शल मानेक शॉ का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि इनके नेतृत्व में भारत ने 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध में देश को न केवल सैन्य विजय दिलवायी बल्कि बांग्लदेशा के निर्माण में अहम भूमिका निभायी। उन्होंने कहा कि फील्ड मार्शल शॉ के नेतृत्व, दूरदर्शिता और रणनीतिक कौशल ने भारत को सैन्य इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कर दिया।

हम समाचार और यूट्यूब इंटरव्यू नहीं देखते: प्रधान न्यायाधीश गवई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय जांच एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के खिलाफ उच्चतम न्यायालय को 'आख्यानों' से प्रभावित नहीं होने की अपील करने वाली एक टिप्पणी पर प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई ने सोमवार को अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ''हम समाचार नहीं देखते, ना ही यूट्यूब पर साक्षात्कार देखते हैं।''

प्रधान न्यायाधीश गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्रन की पीठ स्वत: संज्ञान लेकर एक मामले की सुनवाई कर रही थी जिसमें ईडी द्वारा वरिष्ठ वकीलों अरविंद दातार और प्रताप वेणुगोपाल को उनके संबंधित मुवक्किलों को कानूनी सलाह देने के लिए तलब किया गया था। केंद्र का प्रतिनिधित्व कर रहे सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने चिंताओं को साझा किया और कहा कि इस मुद्दे को उच्चतम स्तर पर उठाया गया है और जांच एजेंसी को कहा गया है कि वह वकीलों को कानूनी सलाह देने के लिए नोटिस जारी नहीं करे। हालांकि, मेहता ने झूठे आख्यान गढ़कर संस्थानों को बदनाम करने के प्रयासों की ओर इशारा किया।

ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन के बांध बनाने से फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं : हिमंत विश्व शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने ब्रह्मपुत्र नदी पर चीन द्वारा दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने को लेकर लोगों की चिंताओं दूर करने का प्रयास करते हुए सोमवार को कहा कि फिलहाल चिंता की कोई बात नहीं है क्योंकि इस नदी के भीतर अधिकांश पानी भूटान और अरुणाचल प्रदेश से आता है।

शर्मा ने यहां एक समारोह से इतर संवाददाताओं से कहा कि पिछले सप्ताह शुरू हुए इस विशाल बांध से वास्तव में क्या प्रभाव पड़ेगा, फिलहाल इसकी ठोस जानकारी नहीं है क्योंकि अलग-अलग बातें कही जा रही हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार इस मामले में चीन के संपर्क में रहेगी। चीन ने शनिवार को

अरुणाचल प्रदेश में भारत की सीमा सटे तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर 167.8 अरब डॉलर की लागत से बनने वाले बांध का निर्माण औपचारिक रूप से शुरू कर दिया।

शर्मा ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मैं फिलहाल चिंतित नहीं हूं क्योंकि ब्रह्मपुत्र एक विशाल नदी है और यह किसी एक स्रोत (पानी) पर निर्भर नहीं है।'' बांध के कारण असम में नदी के निचले क्षेत्र पर संभावित प्रभाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि यह अभी तक स्पष्ट नहीं है कि यह सकारात्मक रहेगा या नकारात्मक। उन्होंने कहा, ''ब्रह्मपुत्र को अपना अधिकांश पानी भूटान, अरुणाचल प्रदेश और हमारे राज्य से वर्षा जल और अन्य जल स्रोतों से मिलता है।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि चीन द्वारा बांध के संबंध में दो वैज्ञानिक दृष्टिकोण सामने आए हैं। उन्होंने कहा, ''पहला - अगर चीन ब्रह्मपुत्र के प्रवाह को बाधित करता है तो पानी कम हो सकता है और परिणामस्वरूप जैव विविधता प्रभावित होगी। लेकिन एक विपरीत पहलू यह भी है कि अगर कम पानी आएगा तो बाढ़ की आशंका भी कम हो जाएगी। इसलिए, मुझे नहीं पता कि कौन सा (दृष्टिकोण) सही है।'' शर्मा ने कहा कि इस विषय पर केंद्र बेहतर निर्णय ले सकता है और वही इस पर निर्णय लेगा। उन्होंने कहा, ''मुझे यकीन है कि वे (केंद्र) पहले से ही चीन के साथ चर्चा कर रहे होंगे।''

जदयू ने बिहार चुनाव से पहले 1,000 करोड़ रुपए वसूलने का लक्ष्य रखा है : तेजस्वी यादव का आरोप

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को आरोप लगाया कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल यूनाइटेड (जदयू) ने राज्य में आगामी विधानसभा चुनाव से पहले ग्रामीण कार्य विभाग (आरडब्ल्यूडी) से ''1000 करोड़ रुपए वसूलने का लक्ष्य रखा है।''बिहार में विपक्ष के नेता यादव ने यह आरोप अपने 'एक्स' हैंडल पर एक समाचार क्लिपिंग साझा करते हुए लगाया, जिसमें दावा किया गया था कि राज्य विधानसभा के मानसून सत्र के पहले दिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) विधायकों की बैठक में ग्रामीण कार्य विभाग मंत्री अशोक चौधरी की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता और उपमुख्यमंत्री के साथ एक तीखी बहस हुई थी। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री यादव ने आरोप लगाया, ''भ्रष्टाचार की बंदरबांट को लेकर राजग के उपमुख्यमंत्री और वरीय मंत्री बैठक में ही एक दूसरे से झगड़ने लगे।

झारखंड सरकार में गठबंधन सहयोगियों के बीच सब कुछ ठीक है : महतो

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रांची/भाषा। कांग्रेस की झारखंड इकाई के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने सोमवार को कहा कि सरकार में गठबंधन सहयोगियों के बीच सब कुछ ठीक है और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सभी विधायक और मंत्री एकजुट हैं। कमलेश ने आरोप लगाया कि पिछले कुछ दिनों से संगठन और मंत्रियों के बारे में भ्रामक जानकारी प्रचारित करने का प्रयास किया जा रहा है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने संवाददाताओं से कहा, ''हाल ही में ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडे सिंह द्वारा अधिकारियों के सामने धरना देने और स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के बेटे द्वारा रिम्स अस्पताल का निरीक्षण करने के बारे में भ्रामक खबर फैलाई गई थी। भ्रामक जानकारी से राजनीतिक लाभ उठाने के प्रयास किए जा रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकार पूरी तरह एकजुट है। कमलेश ने कहा, ''गठबंधन सहयोगियों के बीच सब कुछ ठीक है और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व वाली सरकार में विधायक और मंत्री सहित सभी एकजुट हैं।'' उन्होंने कहा कि जनहित के मुद्दे उठाना सरकार के प्रति गुस्से की अभिव्यक्ति नहीं बल्कि जनता की आवाज है, जिसे कांग्रेस जिम्मेदारी से पूरा करती है। कांग्रेस नेता ने कहा, '' सरकार जनता के मुद्दों को सुलझाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) हर मुद्दे का राजनीतिकरण करने की कोशिश करती है।'' उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी का ओबीसी प्रकोष्ठ 25 जुलाई को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में 'भागीदारी न्याय सम्मेलन' आयोजित करने जा रहा है।

नीतीश अपनी जिम्मेदारियां नहीं निभा पा रहे, उन्हें बेटे को बागडोर सौंपनी चाहिए : राबड़ी देवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी ने सोमवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर कानून-व्यवस्था को संभाल पाने में विफल रहने का आरोप लगाया और उनसे अपने बेटे निशांत को जिम्मेदारी सौंपने को कहा।

राजद नेता राज्य विधान परिषद के बाहर पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर दे रही थीं। वह विधान परिषद में विपक्ष की नेता हैं।

राजद नेता ने हाल में अपराध की घटनाओं में हुई वृद्धि का जिक्र करते हुए कहा, हालांकि देश के विभिन्न हिस्सों में कानून-व्यवस्था की समस्याएं हैं, लेकिन बिहार में स्थिति विशेष रूप से गंभीर है। उन्होंने कहा, नीतीश कुमार मुख्यमंत्री हैं और उनके पास गृह विभाग भी है। वह स्पष्ट रूप से स्थिति को संभालने में असमर्थ हैं। बेहतर होगा कि वह यह जिम्मेदारी अपने बेटे को सौंप दें।

राबड़ी देवी से जब यह पूछा गया कि क्या वह सबसे लंबे कार्यकाल वाले मुख्यमंत्री का इस्तीफा मांग रही हैं, तो उन्होंने

कहा, मुझे इस बात की चिंता नहीं है कि उन्हें पहले इस्तीफा देना चाहिए या नहीं। लेकिन उन्हें अपने बेटे को आगे आने देना चाहिए। वह युवा हैं और बेहतर काम करेंगे।

एक दिन पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में नीतीश से मुख्यमंत्री पद पर बने रहते हुए पार्टी का नेतृत्व छोड़ने का आग्रह किया था।

उपेंद्र कुशवाहा ने दो साल से अधिक समय पहले जद(यू) छोड़ दी थी और कुमार पर राजद के साथ विलय के लिए सौदा करने का आरोप लगाया था।

राबड़ी देवी की तरह कुशवाहा ने भी कहा था कि निशांत, नई आशा का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया था कि वह पार्टी के बारे में बोल रहे थे, न कि सरकार के बारे में।

हम 2026 के विस चुनाव के बाद भाजपा को निरुद्ध केंद्र भेजेंगे: अभिषेक बनर्जी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों में पश्चिम बंगाल के वास्तविक निवासियों द्वारा उत्पीड़न का सामना करने का आरोप लगाते हुए रविवार को दावा किया कि 2026 के बंगाल विधानसभा चुनाव के बाद 'बांग्ला-विरोधी' पार्टी को चुनावी तौर पर ''निरुद्ध केंद्र'' में भेज दिया जाएगा।

बनर्जी ने भारतीय निर्वाचन आयोग की भी आलोचना की और उस पर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के नाम पर मतदाता सूची में हेराफेरी करने का आरोप लगाया। बनर्जी ने घोषणा की कि मतदाताओं को मताधिकार से वंचित करने के आयोग के कथित प्रयासों को रोकने के लिए पार्टी दिल्ली में एक उग्र आंदोलन करेगी। यह आंदोलन तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी की अनुमति के अधीन होगा। मध्य कोलकाता के एस्प्लेनेड में टीएमसी की शहीद दिवस रैली को संबोधित करते हुए अभिषेक बनर्जी ने दावा किया, ''भाजपा बंगालियों को उनकी भाषा बोलने के लिए 'निरुद्ध केंद्र में ले जाना चाहती है। मैं उन्हें स्पष्ट रूप से बताना चाहता हूं - 2026 के चुनावों के बाद, आपको ही हम लोकतांत्रिक तरीके से हराकर निरुद्ध केंद्रों में भेजेंगे।'' टीएमसी सांसद बनर्जी ने कहा कि 2024 के आम चुनावों से पहले भाजपा को 'बांग्ला विरोधी' बताना महज एक नारा गढ़ना नहीं है, बल्कि भाजपा के असली चरित्र का पर्दाफाश है।

बिहार मतदान केंद्रों पर 1,200 से कम मतदाता वाला पहला राज्य : निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कहा कि बिहार देश का पहला ऐसा राज्य बन गया है, जहां सभी मतदान केंद्रों पर 1,200 से कम मतदाता हैं।

आयोग ने मतदान के दिन मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की कतारों को छोटा करने के लिए हाल ही में एक कवायद की है। इसके तहत, हर मतदान केंद्र पर मतदाताओं की संख्या 1,500 से घटाकर अधिकतम 1,200 करने की व्यवस्था है।

निर्वाचन आयोग ने बताया कि मतदाताओं की लंबी कतारों से बचने के लिए बिहार में 12,817 नये मतदान केंद्र बनाए गए हैं। उसने बताया कि राज्य में मतदान केंद्रों की कुल संख्या 77,895 से बढ़कर 90,712 हो गई है।

मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की संख्या कम करने के लिए इसी तरह की कवायद (जिसे निर्वाचन आयोग की शब्दावली में युक्तिकरण कहा जाता है) सभी राज्यों और केंद्र-शासित प्रदेशों में की जाएगी।

निर्वाचन आयोग यह सुनिश्चित करने के लिए काम कर रहा है कि जहां तक संभव हो, मतदाताओं को मतदान केंद्रों तक पहुंचने के लिए दो किलोमीटर से अधिक दूरी न तय करनी पड़े।

चुनाव में मतदाताओं की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए ऊंची इमारतों और सोसाइटी में भी मतदान केंद्र स्थापित किए गए हैं।

जीटी4 यूरोपियन सीरीज रेस में सुपरस्टार अजित कुमार हुए दुर्घटना के शिकार

नई दिल्ली/भाषा। तमिल सुपरस्टार और उत्साही रेसर अजित कुमार 20 जुलाई को इटली में जीटी4 यूरोपियन सीरीज रेस में भाग लेते समय दुर्घटना के शिकार हो गए। दुर्घटना के बाद उन्होंने कर्मचारियों को कार का मलबा साफ करने में मदद की। यह हादसा सीरीज के दूसरे दौर में मिसानो ट्रैक पर हुआ। जीटी4 यूरोपियन सीरीज़ के आधिकारिक एक्स पेज ने दुर्घटना के बाद का एक वीडियो पोस्ट किया है। अभिनेता (54) खड़ी कार से टकरा गए लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई। वीडियो के नीचे लिखा है, ''नुकसान के साथ दौड़ से बाहर, लेकिन फिर भी सफाई में (मलबा हटाने में) मदद करके खुश हैं। अजित कुमार के प्रति पूर्ण सम्मान।'' एक कमेंटेटर को यह कहते हुए सुना गया है,''अजित कुमार कार से बाहर, रेस से बाहर हो गये। इस साल हमने उनसे पहली बार इतनी बड़ी क्षति देखी है। वह एक बेहतरीन चैंपियन हैं।'' 'मनकथा', 'बिल्ला', 'वरलारू', 'वाली' और 'विश्वासम' जैसी हिट फिल्मों के लिए मशहूर अजित कुमार ने जर्मनी और मलेशिया में आयोजित रेस समेत विभिन्न रेसों में भाग लिया है।

ओडिशा के जाजपुर में 15 साल की लड़की से सामूहिक बलात्कार, चार आरोपी हिरासत में

जाजपुर/भाषा। ओडिशा के जाजपुर जिले में 15 वर्षीय एक लड़की के साथ कथित रूप से उसके दो हॉकी कोच सहित चार लोगों ने बलात्कार किया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि हालांकि यह घटना तीन जुलाई की शाम को हुई, लेकिन पीड़िता द्वारा सोमवार को जाजपुर टाउन पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराने के बाद यह मामला सामने आया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिकायत पर कार्रवाई करते हुए जाजपुर नगर पुलिस ने घटना में कथित संलिप्तता के लिए दो हॉकी कोच सहित चार लोगों को हिरासत में लिया है। शिकायत के अनुसार, नाबालिग पिछले दो वर्षों से जिला मुख्यालय शहर के जाजपुर हॉकी स्टेडियम में प्रशिक्षण ले रही थी। शिकायत में कहा गया है कि तीन जुलाई की शाम को जब लड़की घर जा रही थी तो उसके कोच और कोच के दो साथियों ने उसे सड़क से कथित तौर पर अगवा कर लिया और एक लॉज में ले जाकर उसका यौन उत्पीड़न किया।

सिराज ने बुमराह के खेलने की पुष्टि की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मैनचेस्टर/भाषा। भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने सोमवार को जसप्रीत बुमराह के बुधवार से ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू हो रहे चौथे टेस्ट मैच में खेलने की पुष्टि की।

काम के बोझ के प्रबंधन को देखते हुए बुमराह के पांच में से तीन टेस्ट में खेलने की योजना बनाई गई है। यह स्टार तेज गेंदबाज दूसरे टेस्ट में नहीं खेला था जिसमें भारत ने शानदार जीत हासिल की थी। इसके बाद वह लॉर्ड्स टेस्ट में खेले जिसे भारत 22 रन से हार गया था।

भारत के 1-2 से पिछड़ने के बीच पूर्व भारतीय कप्तान अनिल कुंबले ने हाल ही में आखिरी दो टेस्ट मैच में इस स्टार तेज गेंदबाज को खिलाने की जरूरत पर बात की थी।

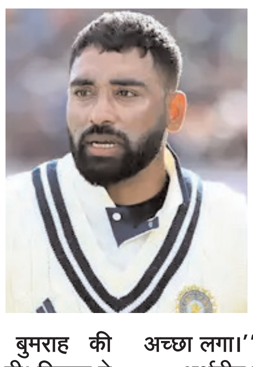

मैनचेस्टर में टीम के पहले आउटडोर अभ्यास सत्र के बाद सिराज ने कम से कम चौथे टेस्ट के लिए बुमराह की उपलब्धता की पुष्टि कर दी। सिराज ने संवाददाताओं से कहा, ''जहा तक मुझे पता है जस्सी भाई (बुमराह) खेलेंगे, हमारा संयोजन दिन-प्रतिदिन बदल रहा है (चोटों के कारण)।'' अगले मैच की योजनाओं के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''इंग्लैंड के खेलने के तरीके को देखते हुए हमारी योजना अच्छी लाइन और लेंथ के साथ गेंदबाजी जारी रखने की है। हम चाहते हैं कि वे पिछले मैच की तरह धैर्य के साथ खेलें। हमें टेस्ट क्रिकेट खेलने में अच्छा लगा।''

अर्शदीप सिंह के हाथ की चोट के कारण मैनचेस्टर टेस्ट से बाहर होने के बाद भारत ने तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को टीम में शामिल किया है। नितीश रेड्डी भी घुटने की चोट के कारण बाकी बची शृंखला से बाहर हो गए हैं जिससे टीम को अपने संयोजन में बदलाव करना पड़ा है।

ग्रोइन की चोट से जूझ रहे आकाश दीप ने सोमवार को मुख्य नेट पर गेंदबाजी नहीं की।

सिराज ने संयोजन के बारे में अधिक जानकारी नहीं देते हुए कहा, ''आकाश दीप की ग्रोइन में तकलीफ है, फिजियो जांच कर रहे हैं। उन्होंने सुबह भी गेंदबाजी की थी। अभी तक फिजियो से प्रतिक्रिया नहीं मिली है। अर्शदीप के चोटिल होने के बाद अंशुल को टीम में शामिल किया गया है। उन्हें शुभकामनाएं।''

तेज गेंदबाज बुमराह ने सतह की फिसलन के कारण नेट पर अधिक देर तक गेंदबाजी नहीं की और फिर मैदान पर जाकर गेंदबाजी की।

क्या विपक्ष को बांग्लादेशियों और रोहिंग्याओं की ज्यादा चिंता है: गिरिराज

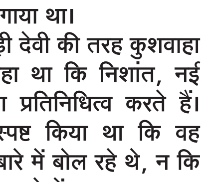

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने सोमवार को विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि बिहार में जारी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाने वालों को मौलिक संवैधानिक ज्ञान का अभाव है और वे भारतीय मतदाताओं की तुलना में विदेशी नागरिकों के बारे में अधिक चिंतित हैं।

सिंह ने संसद परिसर में संवाददाताओं से बातचीत में सवाल उठाया कि निर्वाचन आयोग अपना कर्तव्य निभा रहा है, लेकिन इससे किसी को असहज क्यों होना चाहिए?

उनका कहना था, ''मुझे लगता है कि ऐसे सवाल उठाने वालों को संविधान की कुछ समझ होनी चाहिए। चुनाव आयोग बस वही कर रहा है जो संविधान में अनिवार्य है।''

विपक्ष का दावा है कि पुनरीक्षण की प्रक्रिया से करोड़ों पात्र लोग मताधिकार से वंचित हो जाएंगे जो प्रासंगिक दस्तावेज़ प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं।

सिंह ने कहा, ''उसने (चुनाव आयोग ने) केवल दो बातें पूछी हैं: व्यक्ति भारतीय नागरिक है या नहीं, और दस्तावेज असली हैं या नकली। इससे किसी के लिए असहज स्थिति क्यों हो रही है?''

मंत्री ने आरोप लगाया, ''क्या वे (विपक्षी नेता) विदेशियों को लेकर चिंतित हैं? चाहे रोहिंग्या हों या बांग्लादेशी, क्या उनकी चिंता यही लोग है? ऐसे लोगों को देशभक्त नहीं कहा जा सकता।''

सुविचार

सफलता उन लोगों को मिलती है जो खुद पर विश्वास करते हैं और अपने लक्ष्यों के लिए मेहनत करते हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मर्यादा का घटता स्तर

हाल के वर्षों में सोशल मीडिया में कई लोगों के अनैतिक आचरण से संबंधित सामग्री का वायरल होना समाज में मर्यादा के घटते स्तर को दर्शाता है। एक मशहूर कंपनी के सीईओ और एचआर हैड के वीडियो ने तो दुनियाभर में लोगों का ध्यान आकर्षित किया है। ऐसी घटनाएं उस समय गंभीर चिंता का विषय बन जाती हैं, जब कुछ 'शिक्षक' भी उनमें लिप्त पाए जाते हैं। ये लोग उन सभी शिक्षकों की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाते हैं, जो अपने पेशे के प्रति ईमानदार हैं और विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों के साथ शिक्षा देते हैं। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ जिले के बेगूं थाना क्षेत्र में एक सरकारी स्कूल के शिक्षक का मामला तो गंभीर सवाल खड़े करता है, जिस पर दो दर्जन विद्यार्थियों के यौन शोषण का आरोप लगा है। वह न केवल बच्चों का शोषण करता था, बल्कि उनके वीडियो भी बनाता था। उक्त घटना से लोगों का आक्रोशित होना स्वाभाविक है। मामले में राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की कार्रवाई न्यायसंगत है, जिन्होंने इस शिक्षक को सरकारी सेवा से बर्ख़ास्त करने के आदेश जारी कर दिए। वहीं, स्कूल के बच्चों ने जिस तरह हिम्मत दिखाई, वह सराहनीय है। उन्होंने न केवल शिक्षक के खिलाफ सबूत जुटाने के लिए उसके फोन से वीडियो ले लिए, बल्कि उच्चाधिकारियों से शिकायत भी की। अगर वे ऐसा न करते तो शोषण का सिलसिला चलता रहता। अब इस बात का पता लगाना चाहिए कि यह शख्स कितने वर्षों से ऐसी अनैतिक गतिविधियां कर रहा था और उसने अब तक कितने बच्चों को निशाना बनाया?

यह आरोप इस मामले की गंभीरता को बढ़ाता है कि उक्त 'शिक्षक' की हरकतों के कारण कई बच्चों ने स्कूल ही छोड़ दिया था। अगर जांच का दायरा बढ़ेगा तो पीड़ित बच्चों की संख्या में बढ़ोतरी देखने को मिल सकती है। इससे पहले, ऐसे भी मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें कोई शिक्षक अपनी छात्रा को फोन पर आपत्तिजनक मैसेज भेजता पाया गया, किसी ने होमवर्क और पढ़ाई के नाम पर गलत हरकत की। इस साल जनवरी में चित्तौड़गढ़ जिले में ही एक स्कूल के प्रधानाध्यापक और शिक्षिका का घोर आपत्तिजनक वीडियो वायरल हुआ था। ज्ञान के मंदिरों में ऐसी अशोभनीय हरकतों पर रोक लगाने के लिए जरूरी है कि दोषी शिक्षकों को बर्खास्त कर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, सभी स्कूलों में सीसीटीवी कैमरे लगाने चाहिएं। बच्चों को 'गुड टच, बैड टच' के बारे में समझाना होगा। प्राय: ऐसे मामले इसलिए दब जाते हैं, क्योंकि पीड़ित बच्चे भयभीत रहते हैं और वे किसी को कुछ नहीं बताते। उन्हें आशंका होती है कि कोई उनकी बात पर विश्वास नहीं करेगा और आरोपी शिक्षक उनकी पिटाई करेगा या परीक्षा में फेल कर देगा। बच्चों को अपनी बदनामी का भी डर रहता है। वे बार-बार सोचते हैं कि अगर इस घटना के बारे में सबको पता चल जाएगा तो लोग क्या कहेंगे? ऐसी स्थिति में बच्चों का हौसला बढ़ाना चाहिए। उन्हें ऐसा माहौल देना चाहिए, जिसमें वे अपनी तकलीफ खुलकर बयान कर सकें। जब बच्चा ऐसी बात बताए तो उसे डराना, धमकाना और खामोश रहने की नसीहत देना बिल्कुल गलत है। उसकी क्या गलती है कि उसे डरना और खामोश रहना चाहिए? ऐसे मामलों में चुप्पी साधने से संबंधित व्यक्ति का दुस्साहस और ज्यादा बढ़ता है। वह अन्य बच्चों को निशाना बना सकता है। शिक्षक होकर ऐसा अनैतिक आचरण करने वाले लोग किसी नरमी के हकदार नहीं हैं। उन्हें सजा देकर उन लोगों को भी सख्त संदेश देना चाहिए, जो ऐसी गतिविधियों में लिप्त हैं।

ट्वीटर टॉक

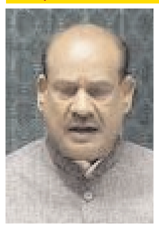

दिनांक 12 जून 2025 को अहमदाबाद से लंदन जा रहे एयर इंडिया के विमान की दुर्घटना में हुई जनहानि तथा गुजरात राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय रूपाणी जी के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए, सदन की ओर से सामूहिक श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

-ओम बिरला

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम। उर्वारुकमिव बन्धनान मृत्योर्मुक्षीय मामृतात ।। महादेव की उपासना के पावन व पवित्र पर्व श्रावण मास के द्वितीय सोमवार की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। देवाधिदेव महादेव की कृपा दृष्टि समस्त संसार पर बनी रहे यही प्रार्थना है।

-मदन दिलावर

राजस्थान की राजधानी जयपुर को प्रतिष्ठित ट्रैवल + लेजर द्वारा वर्ल्ड बेस्ट सिटीज इन ट्रैवल 2025 की सूची में विश्व के शीर्ष पांच पर्यटन शहरों में स्थान प्राप्त करने पर समस्त प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

बचत की तार्किकता

एक बार शाम के समय प्रसिद्ध लेखक जॉन मूर अपने अध्ययन कक्ष में बैठे, दो मोमबत्तियां जलाकर लेखन कार्य में लगे हुए थे। तभी उनके द्वार पर दस्तक हुई। बाहर दो महिलाएं खड़ी थीं। वे किसी कार्य के लिए चंदा लेने आई थीं। जॉन मूर ने उनसे बातचीत करने से पहले, धीरे से उन दो में से एक मोमबत्ती बुझा दी। यह देखकर दोनों महिलाएं मन ही मन सोचने लगीं, 'यहां से चंदा मिलना तो मुश्किल है। जो व्यक्ति हमारे आने पर एक दीपक बुझा रहा है, उसके पास भला पैसे कहां होंगे?' उन्होंने साहस कर अपना उद्देश्य बताया और चंदे की बात की। जॉन मूर ने बिना किसी संकोच के तुरंत उन्हें 100 डॉलर दे दिए। यह देखकर महिलाएं आश्चर्यचकित रह गईं। उन्होंने कहा, 'हमने तो सोचा था कि आप हमें कुछ नहीं देंगे। जब आपने मोमबत्ती बुझाई, तो हमें लगा कि आप बहुत मितव्ययी हैं। किंतु आपने तो हमारी सोच ही बदल दी!' जॉन मूर मुस्कुराते हुए बोले, 'आपको यह 100 डॉलर देने में मैं इसलिए सक्षम हूं, क्योंकि मैं अनावश्यक खर्च से बचता हूं। आपसे बातचीत के लिए एक मोमबत्ती का प्रकाश पर्याप्त था, दूसरी को जलाकर ऊर्जा और साधन दोनों की बर्बादी होती।

सामयिक

बड़ी जीत है 'द रेजिस्टेंट फ्रंट' का आतंकी संगठन घोषित होना

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

पहलगाम में जब आतंकी हमले में निर्दोषों का रक्त बहा, आहें एवं चीखें गूंजी, जिसने न केवल देश एवं दुनिया को झकझोर दिया था, बल्कि यह संकेत भी दे दिया कि आतंकवाद की जड़ें अब भी जीवित हैं और उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और सीमा-पार समर्थन प्राप्त है। लेकिन इस बार एक बड़ा परिवर्तनकारी एवं प्रासंगिक कदम अमेरिका की ओर से सामने आया है, जिसने इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की मुखौटा इकाई द रेजिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया, इस तरह टीआरएफ की पहचान और आतंक के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता का नया अध्याय लिखा गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि आतंक के विरुद्ध वैश्विक मंच पर एक रणनीतिक संदेश है कि अब छद्म युद्ध और पनपते आतंक के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही का युग आ गया है। अमेरिका का यह कदम भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं विदेश मंत्री एस जयशंकर के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास इस बात के द्योतक है कि आतंकवाद से निपटने के मोर्चे पर भारत सफल हो रहा है। अमेरिका के इस फैसले ने न सिर्फ टीआरएफ के आतंकी चेहरे से बेपर्दा किया है, बल्कि पाकिस्तान की उन नापाक हरकतों को भी बेनकाब कर दिया, जिन्हें वह खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर छिपाता आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे भारत-अमेरिका के बीच मजबूत आतंकवाद-रोधी सहयोग का प्रमाण बताया है और आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग की जरूरत पर बल दिया है।

टीआरएफ दिखने में एक स्थानीय कश्मीरी संगठन होने का भ्रम देता है, लेकिन असल में यह लश्कर-ए-तैयबा और उसके सरगना हाफिज सईद की पुरानी साजिश का नया चेहरा है। पाकिस्तान-समर्थित आतंकी संगठनों को नया नाम एवं नये रूप में प्रस्तुत करना पाक की एक साजिश एवं सोची-समझी रणनीति है, ताकि दुनिया के सामने वह अपने दामन को पाक-साफ दिखा सके। एक और विडम्बनापूर्ण स्थिति यह है कि पाक ने इसे इस तरह पेश किया जैसे यह कश्मीर का स्थानीय संगठन हो। यह जगजाहिर है कि कई बड़े आतंकी संगठन पाकिस्तान की धरती से संचालित किए जा रहे हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिद्दीन प्रमुख हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कई बार ये सवाल उठे और पाक को आतंक पोषित स्वीकार्य किया जाने लगा। उसका नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान ने रणनीति बदली और आतंकी संगठनों के नाम भी बदलने शुरू कर दिए। टीआरएफ इसका एक उदाहरण है।

इसका गठन 2019 के अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद हुआ और इसका उद्देश्य भारत में आतंकी घटनाओं को 'स्वदेशी विद्रोह' की आड़ में अंजाम देना है। पहलगाम हमला भारत के उस प्रयास को चुनौती देता है जो वह पर्यटन और विकास के माध्यम से कश्मीर को 'मुख्यधारा में लाने' के लिए कर रहा है। जब भी कश्मीर में शांति की बहार आती है, ऐसे आतंकी संगठन हिंसा का तूफ़ान लेकर आते हैं। टीआरएफ ने सोशल मीडिया, इंटरनेट और कूटनीतिक शब्दजाल का इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को कश्मीरी प्रतिरोध आंदोलन' के रूप में पेश करने की कोशिश की, जबकि उसके तार रावलपिंडी और आईएसआई के आतंकवाद समर्थन तंत्र से सीधे जुड़े हैं। मगर, अमेरिका की ओर से इसे वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना इस बात का सबूत है कि आतंकियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के इरादों को किसी छद्म नाम की आड़ में छिपाया नहीं जा सकता।

अमेरिका द्वारा टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना भारत की एक बड़ी राजनयिक एवं कूटनीतिक सफलता है। यह दिखाता है कि भारत की तीक्ष्ण एवं ताकतवर विदेश नीति अब केवल घटनाओं की निंदा तक सीमित नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव निर्माण की रणनीति पर आधारित है। जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्तावों को भी बल देती है। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध वर्षों से चेतावनी देते हुए दुनिया को आतंकमुक्त बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों को आतंक के खिलाफ एकजुट करने के प्रयास तेज किये हैं। ऐसे में अमेरिका पर भी यह साबित करने का दबाव बना है कि वह आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड न अपनाये। क्योंकि अमेरिका का दोगलापन चर्चा में रहा है, एक तरफ अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने का दावा करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और विश्व बैंक से बड़ी धनराशि कर्ज के रूप में दी जाती है। एक तरफ राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने की बात करते हैं, दूसरी तरफ आतंकवाद की नर्सरी चलाने वाले पाकिस्तान को लेकर अपने नरम रुख का इजहार भी करते रहते हैं। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का ढुलमुल रवैया भी हैरान करने वाला है। सवाल यह है कि जब अमेरिका यह मानता है कि पाकिस्तान आतंकियों को पाल-पोस रहा है, तो वह वैश्विक संस्थाओं से उसे वित्तीय मदद रोकने की वकालत क्यों नहीं करता है?

ऑपरेशन सिंदूर में पाक को करारी मात देने के बाद भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया में वातावरण बनाने के लिये तत्पर हुआ। आतंक के खिलाफ इस लड़ाई को मजबूती देने के लिये ही भारत ने अमरीका समेत 32 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे। इन देशों को पुख्ता सबूतों के साथ बताया गया कि टीआरएफ पाकिस्तान प्रायोजित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है। संभवतः भारत के यही प्रयास इस संगठन के खिलाफ अमरीका के सख्त फैसले का आधार बनी। अमरीका ने इससे पहले 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बाद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को आतंकी संगठन घोषित किया था। पाकिस्तान इन दोनों संगठनों की तरह टीआरएफ को भी भारत के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है। निश्चित ही अमेरिका की यह ताजा कार्रवाई स्वागतयोग्य है, लेकिन भारत को अब केवल प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कमर कसते हुए प्रक्रिया दिखानी चाहिए। उसे सीमा पार सर्जिकल/ड्रोन स्ट्राइक की नीति को और मजबूत करना चाहिए। आतंकी समर्थकों की फंडिंग रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय आर्थिक प्रतिबंधों की मांग करनी चाहिए। घरेलू स्तर पर खुफिया तंत्र और साइबर निगरानी को और सक्रिय एवं आधुनिक बनाना चाहिए। वैश्विक मंचों पर एफएटीएफ, यूएन, और जी 20 जैसे संगठनों में पाकिस्तान की आतंक-समर्थक भूमिका को बार-बार उजागर करना चाहिए।

आज आवश्यकता है कि दुनिया के सभी लोकतांत्रिक और शांति-प्रिय राष्ट्र एक मंच पर एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध जीरो टोलरेंस पॉलिसी अपनाएं। किसी भी राष्ट्र को- चाहे वह प्रत्यक्ष हो या परोक्ष, आतंकियों की शरणस्थली बनने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। टीआरएफ को आतंकवादी घोषित करना पहला कदम है, अब इसकी जड़ों को नष्ट करना ही अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। पाकिस्तान सरकार, सेना और आतंक के नापाक गठजोड़ पर जब तक सभी देश एकमत नहीं होंगे, आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई निर्णायक मोड़ पर नहीं पहुंचेगी। सवाल यह भी है कि जब पाकिस्तान आतंकी संगठनों का खुलेआम समर्थन करता रहता है तो उसे फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स (एफएटीएफ) की ग्रे लिस्ट में डालने से परहेज क्यों किया जा रहा है? विशेषज्ञों का कहना है कि अमरीका के ताजा कदम के बाद एफएटीएफ और दूसरी अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां टीआरएफ की फंडिंग की जांच करेंगी।

पहलगाम का हमला एक बार फिर हमें चेतावनी देता है कि आतंकवाद केवल सुरक्षा का संकट नहीं, बल्कि सभ्यता, शांति और मानवता का अपमान है। हमें अब शब्दों से आगे बढ़कर संकल्प और कार्यवाही की ओर बढ़ना होगा। भारत को अब केवल प्रतिकार नहीं, बल्कि निर्णायक प्रहार की नीति अपनानी चाहिए ताकि अगली पीढ़ी एक ऐसे भारत में सांस ले सके जहां 'कश्मीर' केवल खूबसूरती का पर्याय हो, आतंक का नहीं। भारत को वैश्विक मंचों पर टीआरएफ को बेनकाब करने की मुहिम जारी रखनी चाहिए, ताकि इस संगठन को फिर फन उठाने का मौका न मिले।

नजरिया

एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं का भ्रमजाल

अमित बैजनाथ गर्ग
मोबाइल : 78770 70861

हाल ही में मॉडल-अभिनेत्री शेफाली जरीवाला की कार्डियक अरेस्ट के चलते 42 वर्ष की उम्र में मृत्यु हो गई। उनके अरेस्ट आने की एक वजह एंटी-एजिंग दवाओं का सेवन भी बताई जा रही है। शेफाली सात-आठ सालों से ये दवाएं ले रही थीं। उनके घर से कुछ दवाएं और इंजेक्शन भी बरामद किए गए हैं। जिस दिन उनकी मौत हुई, उस दिन उनका व्रत था। वह खाली पेट भी इन दवाओं को ले रही थीं। असल में पिछले कुछ सालों में लोगों में उम्र को छिपाने और जवान दिखने का चलन तेजी से बढ़ा है। खासकर सेलेब्रिटीज और बड़े शहरों में यह ट्रेंड जोर पकड़ रहा है। इसके चलते वे दवाएं, इंजेक्शन और अन्य तमाम प्रकार के उपचार लेने से झिझक नहीं रहे हैं। बढ़ती उम्र को रोकने की चाहत में इस तरह के इलाज पर लोग जमकर पैसा बहा रहे हैं।

अगर एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं के कारोबार की बात की जाए, तो यह देश में बहुत तेजी से बढ़ रहा है। इसमें कॉस्मेटिक यानी कि सर्जरी एवं फिलर्स ट्रीटमेंट और दवाइयां दोनों शामिल हैं। यह बाजार त्वचा की देखभाल, झुर्रियां हटाने और उम्र बढ़ने के लक्षणों को कम करने वाली दवाओं और उत्पादों की बढ़ती मांग से प्रेरित है। एक अनुमान के मुताबिक, साल 2023 में देश में एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं का कारोबार करीब 3500 करोड़ रुपए का था। 2024 में इसका आकार करीब 4000 करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया। साल 2035 तक यह कारोबार 8000 करोड़ रुपए से ज्यादा होने की उम्मीद है। यह कारोबार करीब सात से लेकर आठ प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ रहा है। कुछ कंपनियों का दावा है कि यह कारोबार दस साल बाद दस हजार करोड़ रुपए से भी ज्यादा का होगा। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं का कारोबार कितनी तेजी से पैर पसार रहा है।

एक्सपर्ट बताते हैं कि लोगों में जवां दिखने की चाहत तेजी से बढ़ रही है। इसमें 30 से लेकर 50 साल तक की उम्र वाले लोगों की संख्या सबसे अधिक है। उनका कहना है कि यह चाहत धीरे-धीरे सनक में बदलती जा रही है, क्योंकि वे बढ़ती उम्र को रोकना चाहते हैं, जबकि उम्र बढ़ने के साथ झुर्रियां बढ़ना स्वाभाविक है। वहीं युवाओं में ब्यूटी प्रॉडक्ट्स खरीदने की होड़ मची हुई है। देश में एंटी-एजिंग उपचार लेने वालों की संख्या बहुत तेजी से बढ़ रही है। कई तरह की दवाएं और इंजेक्शन तथा सर्जरी बाजार में आसानी से उपलब्ध हैं। इस बिजनेस में दखल रखने वाली कई कंपनियों ने अलग-अलग शहरों में अपने क्लिनिक खोल लिए हैं। मार्केट एक्सपर्ट बताते हैं कि एंटी-एजिंग दवाओं-सेवाओं के मौजूदा कारोबार में अंग्रेजी, आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक दवाइयां, स्किन संबंधी कॉस्मेटिक प्रॉडक्ट्स, बोटोक्स सर्जरी तथा फिलर्स ट्रीटमेंट का बिजनेस शामिल है।

एंटी-एजिंग उपचार वह प्रक्रिया है, जिसमें आपको बढ़ती उम्र में भी जवान दिखाया जाता है। यह त्वचा पर झुर्रियों को बढ़ने से रोकने का उपचार है। इसके तहत कॉस्मेटिक, दवाइयां, सर्जरी, इंजेक्शन और कोलेजन सप्लीमेंट्स आते हैं। एंटी-एजिंग उपचार अंग्रेजी के साथ आयुर्वेदिक तरीके से भी करने का दावा किया जाता है। इन दिनों अंग्रेजी कंपनियों के साथ कुछ आयुर्वेदिक और होम्योपैथिक कंपनियों ने भी दवाएं, ब्यूटी प्रॉडक्ट्स और कोलेजन सप्लीमेंट्स बनाने शुरू कर दिए हैं। कहने का अभिप्राय यह है कि आयुर्वेदिक-होम्योपैथिक कंपनियों की भी अंग्रेजी दवा कंपनियों की तरह इस बाजार पर पूरी नजर है। हर कोई बाजार में एंटी-एजिंग उपचार कराने वालों को अपनी ओर खींचने की पूरी कोशिश कर रहा है।

हाल ही में आए कई सर्वे और रिपोर्ट बताती हैं कि दुनिया की तरह भारत में भी एक बड़ी आबादी सोशल मीडिया पर विज्ञापन देखकर प्रॉडक्ट्स का जमकर उपयोग कर रही है। इन उत्पादों में एंटी-एजिंग की दवाएं और कॉस्मेटिक्स भी शामिल हैं। एंटी-एजिंग कारोबार करने वाली कंपनियां लोगों की इस प्रवृत्ति का जमकर लाभ उठा रही हैं। वे तरह-तरह के आकर्षक विज्ञापन सोशल मीडिया पर जारी कर हर वर्ग और उम्र के लोगों को लुभा रही हैं। एक सर्वे कहता है कि पिछले साल लोगों ने एंटी-एजिंग के कॉस्मेटिक उत्पादों पर जमकर खर्च किया। इनमें 18 वर्ष से कम आयु के युवाओं का खर्च अन्य लोगों की उपेक्षा बहुत ज्यादा था। इनमें ब्यूटी क्रीम, सीरम, सर्जरी और फिलर्स ट्रीटमेंट पर पानी की तरह पैसा बहाया गया। कंपनियों ने भी इन युवाओं को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कई ऑफर्स और छूट देकर उन्हें लुभाने की पूरी कोशिश की गई, जो कि सफल भी हुई।

खास बात यह भी है कि कई ऐसे सेलेब्रिटी हैं, जो टीवी और सोशल मीडिया पर इस तरह की दवाओं का प्रचार कर रहे हैं। एक ऐसे ही सेलेब्रिटी हैं ब्रायन जॉनसन, जो सोशल मीडिया पर एंटी-एजिंग दवाओं का प्रचार करते हैं। कई लोग उन्हें देखकर फॉलो करने लगे हैं। वहीं डॉक्टर ऐसा करना बहुत गलत मानते हैं। उनका कहना है कि इन दवाओं के बहुत साइड इफेक्ट्स भी हैं। हमें सबसे पहले यह समझना होगा कि हर इंसान की बॉडी अलग-अलग तरह से बनी है। जरूरी नहीं कि एक दवा सभी को फायदा पहुंचाए। हमें यह भी समझना होगा कि बॉडी और कंप्यूटर में फर्क है। वे कहते हैं कि अधिकतर दवाएं पूरे शरीर को किसी न किसी तरह से प्रभावित कर सकती हैं। लोगों को इन दवाइयों को खाने के बाद अगर किसी भी तरह की दिक्कत महसूस होती है, तो तुरंत इनका उपयोग करना बंद कर देना चाहिए।

हार्ट स्पेशलिस्ट डॉ. कुशमेंद्र पाराशर का कहना है कि एंटी-एजिंग दवाओं का लगातार और हद से ज्यादा सेवन कई तरह के रोगों के खतरे को बढ़ाता है। इस तरह की दवाओं का अधिक उपयोग करने से हार्ट अटैक का खतरा भी बढ़ सकता है। वे इस तरह की दवाओं का उपयोग करने से बचने की सलाह देते हैं। उनका कहना है कि अगर ऐसी दवाएं लेना बहुत जरूरी है, तो बिना डॉक्टर की सलाह से न लें। वे यह भी कहते हैं कि सोशल मीडिया के विज्ञापन देखकर दवाओं का इस्तेमाल करने से पूरी तरह बचना चाहिए, क्योंकि एक ही दवा सबके लिए कारगर साबित नहीं हो सकती। हर व्यक्ति के शरीर का सिस्टम अलग होता है, जबकि सोशल मीडिया पर विज्ञापन वाली दवा सबके लिए एक ही होती है। इनके उपयोग से बचना चाहिए।

डॉक्टरों का कहना है कि एंटी-एजिंग की कुछ दवाओं में हार्मोन, स्टेरॉयड या अन्य केमिकल्स होते हैं, जो शरीर के नेचुरल सिस्टम से छेड़छाड़ करते हैं। इससे हार्ट और लिवर को नुकसान पहुंच सकता है। इसके अलावा हार्मोन बैलेंस भी बिगड़ सकता है। इस तरह की दवाओं का लगातार सेवन करना ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल या हार्ट से जुड़ी बीमारियों का कारण भी बन सकता है। वहीं क्रीम या सीरम जैसे एंटी-एजिंग प्रोडक्ट्स को चेहरे पर बाहरी तौर पर लगाने से वैसे तो कोई गंभीर खतरा नहीं होता, बशर्ते कि उनमें हानिकारक केमिकल न हों। कई लोगों की स्किन बहुत ज्यादा संवेदनशील होती है, कुछ को एलर्जी की समस्या भी होती है। डॉक्टरों का कहना है कि हर किसी को किसी भी नए प्रॉडक्ट का उपयोग करने से पहले एक बार डर्मेटोलॉजिस्ट से सलाह ले लेनी चाहिए। कोई भी दवा या सप्लीमेंट डॉक्टर की देखरेख में इस्तेमाल करने से उसके सुरक्षित बने रहने के चांस ज्यादा होते हैं।

डॉक्टरों का कहना है कि बिना दवाओं के भी बढ़ती उम्र में जवान दिखा जा सकता है। इसके लिए फल एवं हरी सब्जियों का सेवन करें। वे एवाकाडो, ब्लूबेरी, हल्दी, नट्स और सीड्स तथा हरी पत्तेदार सब्जियां खाने की सलाह देते हैं। ये फल-सब्जियां कोलेजन प्रोडक्शन को बढ़ावा देते हैं, जिससे त्वचा टाइट और ग्लोइंग बनी रहती है। वहीं पालक और मेथी जैसी हरी सब्जियों में विटामिन-के, आयरन और फोलेट होता है, जो ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है। ये सब्जियां शरीर से टॉक्सिंस निकालकर त्वचा को चमकदार बनाती हैं। इन सभी को नियमित रूप से डाइट में शामिल करें। इसके साथ हेल्दी लाइफस्टाइल फॉलो करें। रोज 30 मिनट व्यायाम करें, पूरी नींद लें, भरपूर मात्रा में पानी पिएं और जंक फूड कम से कम खाएं। सबसे जरूरी बात यह है कि भागती-दौड़ती जिंदगी में तनाव का प्रबंधन करें।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंडर एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

टेली मानस : मानसिक बीमारी के लिए हेल्पलाइन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से निपटने में मदद करने वाली 'टेली मानस' हेल्पलाइन नं. 14416/1800-891-4416 पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में अपनी समस्या को लेकर लोगों के फोन आ रहे हैं। गत तीन साल में लगभग 21 लाख फोन को अटैन्ड किया गया।

राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंत्रिका विज्ञान संस्थान (निम्हांस) इस हेल्पलाइन का संचालन कर रहा है तथा मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के लिए निःशुल्क परामर्श प्रदान किया जा रहा है। आईआईआईटी-बी इस हेल्पलाइन को तकनीकी सहायता प्रदान कर रहा है। मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं और तनाव से पीड़ित लोगों को मुफ्त सलाह और परामर्श प्रदान करने के लिए अक्टूबर 2022 में शुरू की गई इस हेल्पलाइन को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है, तीन साल से भी कम समय में 2 मिलियन से अधिक फोन कॉल प्राप्त हुए हैं। 20 भाषाओं में 24 घंटे, सप्ताह के 7 दिन कॉल स्वीकार किए जा रहे हैं।

टेली मानस अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रोजेक्ट मैनेजर अर्चना कार्तिक ने बताया कि फोन पर कई तरह की समस्याओं को सुना जा रहा है। पारिवारिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं, पढ़ाई के तनाव में हैं, आत्महत्या के बारे में सोच रहे हैं, नशीली दवाओं के दुरुपयोग के शिकार हैं, मादक द्रव्यों के सेवन, स्मृति समस्याओं और वित्तीय तनाव से पीड़ित लोगों सहित विभिन्न मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का सामना कर रहे लोग हेल्पलाइन पर कॉल कर रहे हैं। प्रो. टी.के. श्रीकांत टेली मानस हेल्पलाइन मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के समाधान में मदद कर रही है।

वीडियो परामर्श को भी अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और इस सेवा का विस्तार करने का प्रस्ताव है। एक विज्ञप्ति में उन्होंने कहा कि हाल ही में, मानसिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में लोगों में जागरूकता बढ़ी है। इससे हेल्पलाइनों पर कॉल की संख्या में वृद्धि हुई है, जिससे अस्पतालों पर बोझ कम हो रहा है।. निम्हान्स के डॉक्टरों ने बताया, संस्थान के बेंगलूरु और धारवाड़ केंद्रों में एक टेली-माइंड इकाई काम कर रही है।

जापान के प्रधानमंत्री चुनावी हार के बावजूद पद पर बने रहेंगे

टोक्यो/एपी। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने सोमवार को कहा कि उनके नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के उच्च सदन का चुनाव हार जाने के बावजूद वह पद पर बने रहेंगे ताकि देश बढ़ती कीमतों और उच्च अमेरिकी शुल्क जैसी चुनौतियों से निपट सके।

इशिबा का सत्तारूढ़ गठबंधन सोमवार को अहम संसदीय चुनाव में 248 सीट वाले ऊपरी सदन में बहुमत हासिल नहीं कर सका।

जापान की संसद 'डायट' के उच्च सदन 'हाउस ऑफ काउंसलर्स' की 248 सीट में से 124 के लिए रविवार को मतदान हुआ।

इशिबा की 'लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी' (एलडीपी) और उसके गठबंधन सहयोगी कोमेइतो को बहुमत बनाए रखने के लिए उसके पास पहले से मौजूद 75 सीट के अलावा 50 सीट और जीतनी थीं लेकिन गठबंधन 47 सीट ही जीत सका। यह आंकड़ा बहुमत से तीन सीट और उसकी पहले की सीट से 19 सीट कम हैं।

यह हार इशिबा के नेतृत्व वाले गठबंधन के लिए एक और झटका है। गठबंधन अक्टूबर में हुए निचले सदन के चुनाव में हार के बाद दोनों सदनों में अल्पमत में आ गया है तथा इससे जापान की राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ गई है। पार्टी की 1955 में स्थापना के बाद से यह पहली बार है जब एलडीपी ने संसद के दोनों सदनों में बहुमत खो दिया है।

एसपीआरईई योजना : नियोक्ता एवं कर्मचारी के लिए एक सामाजिक सुरक्षा योजना

इस वर्ष योजना का लाभ उठाएं, बिना कोई निरीक्षण या हर्जाने के : निदेशक मनोज कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 18 जुलाई को कर्मचारी राज्य बीमा निगम (कराबी निगम), क्षेत्रीय कार्यालय में क्षेत्रीय निदेशक मनोज कुमार की अध्यक्षता में प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन हुआ। बैठक में संयुक्त निदेशक, उपक्षेत्रीय कार्यालय पीन्या प्रभारी असरदा किशोर और संयुक्त निदेशक उपक्षेत्रीय कार्यालय बोम्मासन्द्रा कनिथासेल्वी ए.एस. भी उपस्थित थी। प्रेस बैठक के दौरान मनोज कुमार ने कहा कि कराबी निगम भारत की संसद द्वारा पारित अधिनियम कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 द्वारा अधिनियमित विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक सुरक्षा संगठन है। जो पूरे भारत में कराबी योजना के तहत पंजीकृत श्रमिकों को बीमारी, मातृत्व एवं रोजगार की चोटों के कारण हुई विकलांगता और मृत्यु की आकस्मिकताओं में चिकित्सा देखभाल और नकद हितलाभ प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि कराबी योजना पहले ही पूरे कर्नाटक राज्य में लागू की जा चुकी है और 1.87 लाख नियोक्ताओं के माध्यम से पंजीकृत 35 लाख बीमित व्यक्तियों और उनके आश्रित परिजनों के सदस्यों सहित कुल 140 लाख लाभार्थियों को सामाजिक सुरक्षा कवर प्रदान कर रही है। संयुक्त निदेशक असरदा किशोर ने कहा कि यह योजना पूरे राज्य में क्षेत्रीय कार्यालय बेंगलूरु व 6 उप क्षेत्रीय कार्यालयों जो कि पीन्या, बोम्मासंद्रा, हुब्बल्ली, मैसूरु, मंगलूरु और कलबुर्गी में स्थित हैं, के माध्यम से संचालित की जा रही है। क्षेत्रीय निदेशक मनोज कुमार ने आगे बताया कि अधिक से अधिक औद्योगिक श्रमिकों तक सामाजिक सुरक्षा कवरेज का विस्तार करने के उद्देश्य से, कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने 27 जून को हिमाचल के शिमला में श्रम एवं रोजगार और युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में आयोजित अपनी 196वीं बैठक में, एसपीआरईई (नियोक्ताओं और कर्मचारियों के पंजीकरण को बढ़ावा देने की योजना) नामक इस योजना को एक विशेष पहल के रूप में अनुमोदित किया है, जो संविदा और अस्थायी श्रमिकों सहित अपंजीकृत नियोक्ताओं और कर्मचारियों को निरीक्षणों या पिछले बकाया राशि भरे बिना कराबी योजना में पंजीकरण की एकबारगी अवसर प्रदान करती है। यह योजना इस वर्ष 1 जुलाई से 31 दिसंबर तक लागू रहेगी।

उन्होंने बताया कि इस योजना में नियोक्ता कराबी निगम, श्रम सुविधा और एमसीए पोर्टल के माध्यम से अपनी इकाइयों और कर्मचारियों का डिजिटल ऑनलाइन पंजीकरण कर सकते हैं। पंजीकरण नियोक्ता द्वारा घोषित तिथि से वैध माना जाएगा। पंजीकरण से पहले की किसी भी अवधि के लिए कोई अंशदान या हितलाभ लागू नहीं होगा। पंजीकरण-पूर्व अवधि के लिए कोई निरीक्षण या जुर्माने की माँग नहीं की जाएगी।

उन्होंने बताया कि यह एसपीआरईई योजना पूर्वव्यापी जुर्माने, पंजीकरण न करने और पिछले बकाए के कारण होने वाली कानूनी कार्रवाई के डर को खत्म करेगी और स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा देने के लिए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाएगी। एसपीआरईई योजना इन बाधाओं को दूर करेगी तथा इसका उद्देश्य उक्त अवधि के दौरान अधिक से अधिक नियोक्ताओं और श्रमिकों को पंजीकृत कर ईएसआई के दायरे में लाना और स्वास्थ्य और सामाजिक लाभों को पात्र लोगों तक पहुंचाकर इस योजना को और अधिक समावेशी और सुलभ सामाजिक सुरक्षा प्रणाली बनाने की दिशा में एक प्रगतिशील कदम है। संयुक्त निदेशक कनिथासेल्वीने कहा कि कराबी निगम हमेशा अपने आउटरीच को मजबूत करने और भारत में कल्याण-केंद्रित श्रम पारिस्थितिकी तंत्र के दृष्टिकोण के साथ चलते हुए सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा के अपने कर्तव्य को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है।

मीडिया के साथ चर्चा के दौरान, निदेशक मनोज कुमार ने बताया कि कराबी निगम ने विवादों को सुलझाने और कराबी अधिनियम के अनुपालन को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी 196वीं बैठक के दौरान एक बार की सर्वक्षमा योजना, 2025 भी शुरू/स्वीकृत की है, जो 1 अक्टूबर, 2025 से 30 सितंबर, 2026 तक विवाद समाधान के लिए वैबसाइट में एक विंडो उपलब्ध करवाती है, जिसका उद्देश्य आपसी समझौतों के लिए एक तंत्र प्रदान करके मुकदमेबाजी को कम करना, व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देना और नियोक्ताओं के बीच सद्भावना को बढ़ावा देना है। प्रेस वार्ता के दौरान उप निदेशक जनसंपर्क दरबारा सिंह, संयुक्त निदेशक सुनील कुमार महतो और मनीष गुप्ता, कार्यकारी अभियंता विनोद खरकवाल, उपनिदेशक अभिषेक कुमार सिंह, महेश पांडे, संग प्रिय आनंद और अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे।

'ट्रांसजेंडर' समुदाय के लोगों को भी रोजगार दें उद्यमी : आनंदीबेन पटेल

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने 'ट्रांसजेंडर' समुदाय के प्रति समाज में व्याप्त पूर्वाग्रहों पर चिंता जाहिर करते हुए सोमवार को उद्यमियों से समुदाय के लोगों को अपनी कंपनियों में रोजगार और प्रशिक्षण देने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने यहां 'इंडो-अमेरिकन चेम्बर ऑफ कॉमर्स' द्वारा आयोजित 'ब्रेकिंग बैरियर्स-वीमेन इन लीडरशिप एंड एंटरप्रेन्योरशिप' विषय पर एक कॉन्फ्रेन्स के उद्घाटन के अवसर पर ट्रांसजेंडर समुदाय के प्रति समाज में व्याप्त पूर्वग्रहों पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, अगर कोई 'ट्रांसजेंडर' बच्चा जन्म लेता है और उसका परिवार उसे अस्वीकार कर देता है तो ऐसी व्यवस्था की जानी चाहिए कि वह बच्चा भी सामान्य बच्चों के साथ ही अनाथालय में रहकर शिक्षा प्राप्त करे, बड़ा हो और समाज में सम्मानजनक जीवन जी सके। राज्यपाल ने कहा, ट्रांसजेंडर' होना उस बच्चे की गलती नहीं है, बल्कि हमारी सामाजिक सोच की कमी है कि हम उन्हें स्वीकार नहीं करते। पटेल ने कहा, वसुधैव कुटुम्बकम की सच्ची भावना तभी साकार होती है जब हम सबको चाहे वे किसी भी लिंग, वर्ग या परिस्थिति से हों, सम्मानपूर्वक साथ लेकर चलेंगे। 'ट्रांसजेंडर' बच्चों को भी प्रेम, शिक्षा और समान अवसर दिए जाएं, तभी एक समावेशी और सशक्त भारत का निर्माण संभव है।

उन्होंने आह्वान किया, उद्यमियों को चाहिए कि वे अपने यहां ट्रांसजेंडर समुदाय के लोगों को रोजगार दें और उन्हें प्रशिक्षण प्रदान करें। इससे न केवल उन्हें आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी बल्कि उनके परिवार और समाज भी उन्हें स्वीकार करने लगेंगे। राज्यपाल ने बताया, वाराणसी और बस्ती जिलों में 'ट्रांसजेंडर' समुदाय के लोगों को जिलाधिकारी द्वारा प्रशिक्षण दिलाकर रोजगार उपलब्ध कराया जा रहा है। यह एक अनुकरणीय प्रयास है, जिसे अन्य जिलों में भी अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने समाज के वंचित वर्गों की शिक्षा और सामाजिक समावेशन की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि मुसहर समाज के बच्चों को भी शिक्षा से जोड़कर मुख्यधारा में लाना अत्यंत आवश्यक है।

अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' अगस्त में होगी रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड स्टार अजय देवगन की फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' ,01 अगस्त को रिलीज होगी। अजय देवगन इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म वर्ष 2012 में प्रदर्शित सुपरहिट फिल्म 'सन ऑफ सरदार' की सीक्वल है। फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' पहले 25 जुलाई को रिलीज होने वाली थी लेकिन अब इसकी रिलीज डेट आगे बढ़ गई है।मेकर्स ने नयी रिलीज डेट अनाउंस कर दी है। मेकर्स ने फिल्म का नया पोस्टर जारी किया है और इसमें लिखा है, हंसी के इस धमाके को अब नई तारीख मिल गई है। 'सन ऑफ सरदार 2' अब दुनिया भर के सिनेमाघरों में 01 अगस्त 2025 को रिलीज होगी। विजय कुमार अरोड़ा के निर्देशन में बनी फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' में अजय देवगन के साथ मृणाल ठाकुर, चंकी पांडेय, रवि किशन, विंदू दारा सिंह और संजय मिश्रा जैसे कलाकार भी नजर आयेंगे।

जैकी श्रॉफ और मीनाक्षी शेषाद्री फिर साथ आए नजर, सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता जैकी श्रॉफ हाल ही में अपनी फिल्म 'हीरो' की मुख्य अभिनेत्री मीनाक्षी शेषाद्री के साथ एक इवेंट में नजर आए। जैका और मीनाक्षी को साथ में हाथ पकड़कर कैमरों के सामने पोज देते देखा गया। इस मुलाकात का सबसे खास पल था जब जैकी ने मीनाक्षी के हाथ पर प्यार भरा किस किया। इस दौरान मौजूद सभी लोगों ने ताली बजाई। इस पुनर्मिलन का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है और फैंस इस जोड़ी को लंबे समय बाद साथ देखकर बेहद खुश हैं। जैकी श्रॉफ की पहली फिल्म 'हीरो' में मीनाक्षी उनकी पहली को-स्टार थीं। यह फिल्म सुभाष घई के निर्देशन में बनी थी और बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त हिट साबित हुई थी। इस फिल्म ने जैकी को बॉलीवुड में एक मजबूत और सफल अभिनेता के रूप में स्थापित किया था।

वर्कफ्रंट की बात करें तो जैकी श्रॉफ अब वेब सीरीज की दुनिया में भी कदम रख रहे हैं। वह जल्द ही एक्शन थ्रिलर सीरीज 'हंटर 2- टूटेगा नहीं तोड़ेगा' के दूसरे सीजन में नजर आएंगे। इस सीरीज में जैकी के साथ सुनील शेट्टी भी नजर आएंगे। निर्माताओं ने शुक्रवार को इस सीरीज का ट्रेलर लॉन्च किया। इस ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान जैकी के बेटे टाइगर श्रॉफ ने अपने पिता को खास सरप्राइज दिया। दरअसल, जैकी और सुनील शेट्टी मीडिया से बातचीत करने जा रहे थे। इस दौरान टाइगर अचानक सामने आ गए। उनके आने से दोनों अभिनेता सरप्राइज रह गए। 'हंटर 2- टूटेगा नहीं तोड़ेगा' में अपने किरदार के बारे में बात करते हुए जैकी ने कहा, ''सीरीज में मैं एक सेल्समैन की भूमिका निभा रहा हूं, जो कहानी में बड़ा ट्विस्ट लेकर आता है। यह शांत किरदार है, लेकिन घातक भी है।'' उन्होंने फैंस से इस सीरीज का आनंद लेने की अपील की। 'हंटर 2' प्रिंस धीमान और आलोक बत्रा के निर्देशन में बनी है। इसमें अनुषा दांडेकर और बरा बिष्ट भी अहम भूमिकाओं में दिखेंगी। यह सीरीज 24 जुलाई को अमेजन एमएक्स प्लेयर पर रिलीज होगी।

'सलाकार' में मेरा अब तक का सबसे अलग किरदार : मौनी रॉय

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री मौनी रॉय की आगामी जासूसी थ्रिलर फिल्म 'सलाकार' रिलीज होने के लिए तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में अपने अनुभव को साझा किया है। अभिनेत्री ने कहा, इसमें काम करके मुझे बहुत खुशी हुई। यह मेरे लिए अभी तक का सबसे अलग हटकर या खास तरह का किरदार है। इसकी कहानी ने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने का मौका दिया।

अभिनेत्री ने टीम की तारीफ करते हुए बताया, सेट पर पूरी टीम का माहौल काफी अच्छा रहता था। हम सब मिलकर काम करते थे। अब मैं दर्शकों के लिए काफी उत्साहित हूं, फिल्म में उन्हें मेरा ऐसा किरदार देखने के लिए मिलेगा जो उन्होंने पहले कभी देखा ही नहीं होगा।

बता दें, फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को इसका टीजर रिलीज कर दिया, फिल्म एक भारतीय जासूस की कहानी पर आधारित है। यह फिल्म ऐतिहासिक बैकग्राउंड पर आधारित है और इसमें रहस्य-रोमांच के कई मोड़ देखने को मिलेंगे। इसमें मौनी रॉय के साथ मुकेश ऋषि, कस्तूरिया और सूर्या शर्मा भी हैं। सच्ची घटनाओं पर आधारित यह कहानी एक ऐसे जासूस की कहानी है, जो अपनी खुफिया जानकारी से देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने दुश्मनों को सफलतापूर्वक मार देता है और पाकिस्तान में गुप्त तरीके से परमाणु ठिकानों के अस्तित्व का पता लगाता है। निर्देशक और सह-लेखक, फारुक कबीर ने कहा, सलाकार एक जासूसी थ्रिलर की कहानी है। जो एक्शन के लिए नहीं, बल्कि खुफिया जानकारी और बलिदान के लिए बनी है।

कबीर ने आगे कहा, नवीन, मुकेश और मौनी के साथ काम करना मेरे लिए एक अविश्वसनीय अनुभव था, उन्होंने फिल्म में अपना किरदार बखूबी से निभाया है। मैं इस फिल्म के जरिए उन लोगों को श्रद्धांजलि देना चाहूंगा, जिन्होंने न केवल गोलियों से, बल्कि अपनी प्रतिभा से भी लड़ाई लड़ी। 'सलाकार' 8 अगस्त से जियो हॉटस्टार पर रिलीज की जाएगी।

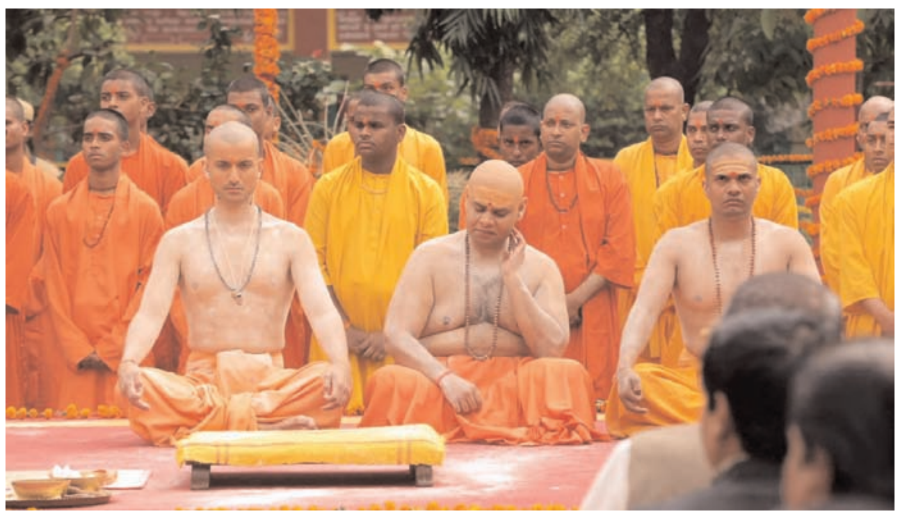

अनंत जोशी निभाएँगे 'अजेयः द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' में लीड रोल

मुंबई/एजेन्सी

भारतीय सिनेमा के बदलते परिदृश्य में, जहाँ सशक्त कहानियाँ और प्रभावशाली अभिनय दर्शकों का ध्यान आकर्षित करते हैं, वहीं अभिनेता अनंत जोशी एक दमदार बायोपिक के साथ केंद्र में आ रहे हैं। अनंत जोशी, जिन्होंने हाल ही में '12वीं फेल' जैसी हिट फिल्म में प्रीतम पांडे की भूमिका निभाकर खूब सराहना बटोरी, अब 'अजेय: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ ए योगी' में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका निभाते नजर आएँगे। '12वीं फेल' में उनके प्रदर्शन ने उन्हें इस बायोपिक के लिए तैयार किया। एक ऐसे किरदार को निभाना, जो शैक्षणिक और व्यक्तिगत संघर्षों से जूझ रहा हो, ने उन्हें और भी गहराई और संवेदनशीलता से भर दिया। इस फिल्म में उनका अभिनय उनकी रेंज को दर्शाता है और उन्हें योगी आदित्यनाथ जैसे जटिल किरदार को निभाने के लिए सक्षम बनाता है।

अपनी इस यात्रा पर बात करते हुए अनंत जोशी ने कहा, विधु विनोद चोपड़ा के साथ काम करना किसी फिल्म स्कूल में ट्रेनिंग लेने जैसा है। हर दिन उनके साथ सेट पर रहना एक सबक था। '12वीं फेल' जैसी फिल्म करने के बाद ही मुझे लीड रोल की ज़िम्मेदारी लेने की समझ आई और हिम्मत मिली। मैं खुश हूँ कि 'अजेय' मुझे '12वीं फेल' के बाद मिली। अनंत जोशी ने धीरे-धीरे अपने अभिनय की एक मजबूत नींव बनाई है। इससे पहले वे 'कठल' और '12वीं फेल' में नजर आ चुके हैं। इसके अलावा, उन्होंने वेब सीरीज़ 'मामला लीगल है' और डॉक्युमेंट्री 'ज़ीरो से रीस्टार्ट' में भी भाग लिया, जिसमें उनके फिल्म निर्माण के अनुभवों को दर्शाया गया है। 'अजय' फिल्म उत्तराखंड से अजय मोहन सिंह बिष्ट के योगी आदित्यनाथ बनने और फिर एक प्रमुख राजनीतिक नेता बनने की यात्रा को दिखाएगी। फिल्म का टीज़र पहले ही जारी किया जा चुका है और ट्रेलर भी जल्द आने वाला है। फिल्म 1 अगस्त, 2025 को दुनियाभर में सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

बड़े हो चुके अनाथ बच्चों को गोद लेने की जरुरतः मंदिरा बेदी

कोलकाता/भाषा। अभिनेत्री एवं क्रिकेट शो होस्ट मंदिरा बेदी ने कहा कि लोग आमतौर पर शिशुओं को गोद लेते हैं, लेकिन बड़े हो चुके अनाथ बच्चों को भी गोद लेने के लिए लोगों को आगे आना चाहिए। बेदी ने कहा कि लोगों को प्रोत्साहित करने के लिए इस प्रक्रिया को सरल बनाया जाना चाहिए, जिससे वे बड़े अनाथ बच्चों को गोद ले सकें। अपने एक खुद के और एक गोद लिए बच्चे की मां बेदी ने कहा, ''हमारे लिए गोद लेना कभी भी अंतिम उपाय नहीं था।'' उन्होंने कहा, ''जब मैं और मेरे पति एक दूसरे को डेट कर रहे थे तब भी मैंने उनसे कहा था कि मैं हमेशा से एक अपना खुद का बच्चा और एक बच्चे को गोद लेना चाहती हूं। यह कोई यूं ही सोचा हुआ ख्याल नहीं था यह एक सपना था जिसे मैंने तब से संजोकर रखा था जब मेरी उम्र 11 से 20 के बीच थी।'' बेदी

ने भारत में बच्चों को गोद लेने को सामान्य बनाना और प्रोत्साहित करना'' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा, मातृत्व को खून से परिभाषित नहीं किया जा सकता बल्कि यह इरादे, प्रेम और आजीवन प्रतिबद्धता से परिभाषित होती है।''

लोग अक्सर अनाथ शिशुओं को गोद लेते हैं, लेकिन बेदी ने ऐसी वास्तविकता का जिक्र किया, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है।

बड़े अनाथ बच्चों को गोद नहीं लिया जाता है। उन्होंने कहा, ''बहुत सारे बच्चे छूट जाते हैं। हर कोई चाहता है कि एक बच्चा हो जिसे वो शुरू से ही गोद में रख सके। लेकिन जो बच्चे थोड़े से बड़े होते हैं वे अनदेखे और भुला दिए जाते हैं। उनके बारे में भी सोचो क्योंकि कोई और नहीं सोचता।''

RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

प्रसिद्ध साहित्य संस्था 'शब्द' की बीते रविवार को आयोजित मासिक रचनागोष्ठी में संस्था के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने स्वागत संबोधन में कहा कि कविता अभिधा नहीं, व्यंजना में बोलती है। इसलिए कलाओं के वर्ग में उसे सर्वश्रेष्ठ कला माना जाता है।

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन का तीन दिवसीय मेगा ट्रेड फेयर आज से

गायत्री विहार में सजेगा इनरवियर कपड़ों का मेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन (किया) के राष्ट्रीय स्तर के मेगा ट्रेड फेयर 'इनर स्टोरी' का शुभारंभ मंगलवार से होने जा रहा है। पैलेस ग्राउंड स्थित गायत्री विहार में आयोजित तीन दिवसीय इस मेगा ट्रेड फेयर का उद्घाटन कर्नाटक सरकार के टेक्सटाइल मंत्री शिवानंद एस पाटिल करेंगे। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में हुब्बल्ली के महेंद्र सिंघी व ट्रेड फेयर के टाइटल प्रायोजक टेसुटी इंडस्ट्रीज के संस्थापक रमेश कोठारी सहित अनेक गणमान्य अतिथि मौजूद होंगे। एसोसिएशन के अध्यक्ष दिलीप जैन ने बताया कि लगातार चौथे वर्ष आयोजित होने वाले इस फेयर में सैंकड़ों स्टॉल्स लगाए जा रहे हैं जिनमें देश भर से इनरवियर के नामी ब्रांड अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगे। उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने बताया कि इस ट्रेड फेयर में बेंगलूरु व कर्नाटक भर से व्यापारियों के शामिल होने की संभावना है और ट्रेड फेयर के प्रचार-प्रसार में मिले अच्छे रेस्पांस के अनुसार व्यवस्थाएं की गई हैं।

मारवाड़ी युवा मंच सेंट्रल ने 500 से अधिक पौधों का किया रोपण

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मारवाड़ी युवा मंच सेन्ट्रल शाखा के 50 सदस्यों ने रविवार को अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के वन महोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत से-ट्री संस्था के सहयोग से बनशंकरी छठे स्टेज में 500 से अधिक पौधे लगाए।वृक्षारोपण के बाद संस्था के सदस्यों ने पेड़ों की सिंचाई व सुरक्षा की भी जिम्मेदारी ली। शाखा के अध्यक्ष गौतम लोहिया ने कहा कि प्रकृति की सेवा ही सच्ची राष्ट्र सेवा है और युवाओं की भागीदारी समाज में नई ऊर्जा भरती है। कार्यक्रम के संयोजक रोहित अग्रवाल ने सभी स्वयंसेवकों को धन्यवाद दिया।

'शब्द' संस्था आपस में जुड़ने का देती है अवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रसिद्ध साहित्य संस्था 'शब्द' की बीते रविवार को आयोजित मासिक रचनागोष्ठी में संस्था के अध्यक्ष श्रीनारायण समीर ने स्वागत संबोधन में कहा कि कविता अभिधा नहीं, व्यंजना में बोलती है। इसलिए कलाओं के वर्ग में उसे सर्वश्रेष्ठ कला माना जाता है।कविता मनुष्य की संवेदना का स्पर्श करती है और करुणा की जमीन से वैभव प्राप्त करती है। कविता निजी अनुभव का सार्वभौमिक रूपांतरण होती है। यह व्यंजना में ही संभव है। इसलिए आपबीती को जगबीती बनाने की काव्य-कला साधना की माँग करती है। हंसराज मुणोत की अध्यक्षता में आयोजित रचनागोष्ठी का संचालन 'शब्द' के कार्यक्रम संयोजक श्रीकांत शर्मा कर रहे थे। आरंभ बिंदु रायसोनी की सरस्वती वंदना से हुआ। उन्होंने पावस पर एक गीत भी सुनाया।

रचनागोष्ठी के शुरुआती दौर में युवा कवि दीपक सोपोरी ने 'जफ़रनामे की नज़्र' नामक मसनवी शैली की कविता सुनाई और श्रोताओं की वाहवाही लूटी। खंडवा से आये श्यामसुंदर तिवारी ने नवगीत सुनाया, जबकि पेशे से अधिवक्ता अंजु भारती ने पावस ऋतु के अनुरूप कजरी सुनाई। ऋताशेखर मधु, राजेन्द्र गुलेच्छा, अशोक कुमार सूर्य और कृष्ण कुमार पारीक की कविताएं भी श्रोताओं ने पसंद की। नाटककार मथुरा कलौनी के शब्द चित्र का व्यंग्य प्रभावकारी था। 'शब्द' की सचिव उषारानी राव की कविता में नीलगिरि के ब्याज से बदलते समय का शब्द चित्र सुंदर था। मुंबई से आये उदय कुमार सिंह की कविता मध्यवर्गीय जीवन की आपबीती पर केंद्रित थी। वरिष्ठ कवि अनिल विभाकर की 'प्रेमजल' और 'स्लेट पर लिखे कुछ सवाल' कविताओं का श्रोताओं ने तालियों की गूँज से स्वागत किया। लोकेश मिश्र के सुमधुर गीतों के जादुई असर से भी श्रोता खूब प्रभावित हुए। उमेश पर्वत, उत्कर्ष सिन्हा, उमा नाग और नमिता सिन्हा की प्रस्तुति भी अच्छी रही।

रचनागोष्ठी में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, हिंदी विभाग के रिटायर प्रोफेसर युगल, कथाकार चन्द्रकला त्रिपाठी एवं नाटक साहित्य के मर्मज्ञ वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी की उपस्थिति उल्लेखनीय थी। चन्द्रकला त्रिपाठी ने अपने सम्बोधन में कहा कि मनुष्यता और सामाजिकता आज संकट में है किंतु दमन का जीवन लंबा नहीं होता। आज संकट का मुकाबला साहित्य और संस्कृति अपने तरीके से कर रहे हैं। भाषा को लेकर भारत में जो गाँठें यहां - वहां दिखाई दे रही हैं, आप सभी की रचनाएं अपनी स्वच्छंद अभिव्यक्ति से उसका प्रतिकार ही तो हैं। 'शब्द' के ये प्रयास हमें आकर्षित करते हैं।

इस मौके पर वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी ने कहा कि भाषा को लिपि के बंधन से मुक्त करना होगा। भाषा को पानी की तरह बहने देने में क्या हर्ज है ? बनारस में दक्षिण के संस्कृत विद्वान कन्नड़, तमिल लिपियों में संस्कृत पढ़ते / लिखते हैं। उन्होंने कहा कि कविता अंतराल छोड़ती है। सहृदय को उसे समझना पड़ता है। 'शब्द; संस्था आपस में जुड़ने का आश्वासन देती है। अध्यक्षीय सम्बोधन में हंसराज मुणोत ने 'शब्द' की स्थापनाकाल से लेकर अबतक की प्रगति का उल्लेख करते हुए रचनागोष्ठी में कवियों द्वारा सुनाई गई कविताओं की प्रशंसा की। उन्होंने जीवन के उतार-चढ़ाव पर एक मार्मिक कविता सुनाई। गोष्ठी का संचालन कर रहे श्रीकांत शर्मा ने अपनी बारी में दो देसज लोकगीत सुनाए। दीपक सोपोरी के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम संपन्न हुआ।

निशुल्क नेत्र व दंत जांच शिविर से 300 लोग हुए लाभान्वित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक मारवाड़ी समाज द्वारा मानव चैरिटीज़ एवं डॉ. सोलंकी ऑई अस्पताल के सहयोग से रविवार को नि:शुल्क नेत्र एवं दंत चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 300 से अधिक लोग लाभान्वित हुए। संस्था के सचिव मोहित तुल्स्यान ने सभी का स्वागत किया।

अध्यक्ष प्रवीण तुल्स्यान, मुख्य अतिथि निम्हांस के न्यूरोसर्जरी विभाग की प्रोफेसर एवं यूनिट हेड डॉ. नुपुर पथी, विशिष्ट अतिथि रानी सरला देवी कॉलेज की ट्रस्टी डॉ. के. लक्ष्मीशा ने दीप प्रज्ज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। प्रोजेक्ट डायरेक्टर बिमल सरावगी ने शिविर की आवश्यकता के बारे में बताया। डॉ नरपत सोलंकी व गवर्नमेंट डेंटल कॉलेज की डॉक्टरों की टीम ने शिविर में अपनी सेवाएं दी। इस अवसर आनंद अग्रवाल, विजय बांका, पूर्व अध्यक्ष विकास बालोडिया, रंजन भंवसिंका सहित अनेक वरिष्ठ सदस्य उपस्थित थे। अंत में सभी अतिथियों, डॉक्टरों, स्वयंसेवकों एवं सहयोगियों को धन्यवाद दिया गया।

जीवन में नाम पाने के लिए काम करना व्यर्थ है : साध्वीश्री इन्दुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। स्थानीय श्वेताम्बर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, अलसूर के तत्वावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में साध्वी इंदुप्रभाजी ने कहा कि हमारे अंदर बैठी हुई मान संज्ञा हमें नाम कमाने के लिए उकसाती है। नाम अभिमान को पोषित करता है। नाम के नशे में व्यक्ति अनर्थ भी कर बैठता है। नाम की लालसा हमें बैचेन रखती है। उन्होंने कहा कि बड़े बड़े राजा महाराजा चक्रवर्ती के भी नाम जीवंत नहीं रहे हैं। नाम अस्थाई है।आत्मा स्थाई है। हमें आत्मा की चिंता करनी चाहिए। नाम, शरीर, पता ये सब परिवर्तनशील हैं। प्रवचन के प्रारंभ में साध्वी वृद्धिप्रभाजी ने कहा कि हम सुनेंगे तो चुनेंगे। व्यवहार में आंख और आध्यात्म में कान को महत्व दिया गया है। प्रभु की वाणी हम कान, प्राण और ध्यान से सुनें।सुन कर आचरण में लाएं। प्रभु की वाणी सुनते वक्त मन में बैठी पूर्व विचारधाराओं को बाहर ही छोड़कर विशुद्ध मन से जिनवाणी सुनें। खाली घड़े में पानी भरा जा सकता है। पहले ही भरे घड़े में नवीनता नहीं आ सकती है। प्रभु की वाणी विनय भाव से सुनें। सुनेंगे तो ही ज्ञान होगा और ज्ञान से ही विज्ञान होता है। सीधे मन से सिद्धि सरल हो सकती है। अलसूर संघ के मंत्री अभय कुमार बांठिया ने संचालन करते हुए आगामी कार्यक्रों की जानकारी दी। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। अनेक श्रावक श्राविकाओं ने तप के प्रत्याख्यान लिए।।

तेयुप विजयनगर द्वारा लीडरशिप कार्यशाला 'एलाइन' का हुआ आयोजन

सीपीएस एकेडमी फॉर लीडरशिप एंड एक्सीलेंस के अंतर्गत देशभर की पहली कार्यशाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर द्वारा सीपीएस एकेडमी फॉर लीडरशिप एंड एक्सीलेंस के अंतर्गत प्रथम लीडरशिप कार्यशाला 'एलाइन' की शुरुआत साध्वी संयमलता जी के सान्निध्य में व अभातेयुप के उपाध्यक्ष पवन मांडोत की अध्यक्षता में हुई।

साध्वीश्री ने कहा कि एक सफल लीडर में सभी को साथ लेकर चलने का प्रमुख गुण होना चाहिए।

श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे पवन मांडोत ने किया। तेयुप के अध्यक्ष विकास बाँठिया ने शहर परिषद परिवार के सभी आनुषंगिक संगठनों के पदाधिकारियों का स्वागत किया। सीपीएस के राष्ट्रीय प्रभारी दिनेश मरोठी, मुख्य अतिथि विमल कटारिया व पवन मांडोत ने कार्यशाला की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

प्रशिक्षक अरविंद मांडोत व नितिन लुणिया ने विभिन्न सत्रों द्वारा कुशल नेतृत्व क्षमता, समय प्रबंधन, बैठक आयोजन, सामूहिक सेवाकार्य, निर्णय अवसर आदि गुणों के बारे में बताते हुए प्रतिभागियों की जिज्ञासा का समाधान किया। इस कार्यशाला में तेयुप के प्रबंध मंडल के अनेक सदस्यों का योगदान रहा। अर्थ सहयोगी मनोहरलाल राकेश बाबेल परिवार, स्थान सहयोगी अर्हम मित्र मंडल व उपस्थित सभी जनों को मंत्री योगेश पोरवाड़ ने धन्यवाद दिया।

'सेकेंड इनिंग्स' की बैठक में कार्यालय उपलब्ध कराने वाले का हुआ सम्मान

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गोड़वाड़ भवन में सेकेंड इनिंग्स ट्रस्ट की बैठक में मागड़ी रोड स्थित संकल्प बिजनेस सेन्टर में 250 वर्गफीट का कार्यालय ट्रस्ट के उपयोग के लिए उपहार स्वरूप देने वाले हितेश श्रीश्रीमाल का भी सम्मान किया गया। सेकेंड इनिंग्स के अध्यक्ष रमेश बाफना, चेयरमैन रतनचंद श्रीश्रीमाल, उपाध्यक्ष गौतमचंद धारीवाल ने ट्रस्ट की गतिविधियों की जानकारी तथा अपने विचार व्यक्त किए। मंत्री जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने बैठक का संचालन करते हुए नए ट्रस्टी आशीष बाफ़ना, भरत सिंघवी, अशोक बाफना, कमल बांठिया का परिचय दिया। बैठक में उपस्थित गोड़वाड़ भवन के प्रमुख कुमारपाल सिसोदिया ने भी संस्था के कार्यो की सराहना की।

ज्ञातव्य है कि सेकेंड इनिंग्स संस्था प्रतिमाह अनेक स्वधर्मी जरूरतमंद परिवारों को गुप्त रूप से राशन सामग्री प्रदान करती है तथा प्रत्येक पूर्णिमा व अमावस्या पर स्थानीय वाणी विलास अस्पताल परिसर में अन्नदान का कार्य करती है। बैठक में आगामी दिनों में संस्था द्वारा जन सेवार्थ एंबुलेंस सेवा प्रारंभ करने पर भी विचार विमर्श किया गया। पूर्व उपाध्यक्ष गौतमचंद धारीवाल ने सभी को धन्यवाद दिया।

जीवन में ऐसे कार्य करें, जिससे स्वयं के साथ दूसरों के जीवन में भी सकरात्मक बदलाव हो : संतश्री वरुण मुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के गांधीनगर गुजराती जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय उपप्रवर्तक पंकजमुनिजी की निश्रा में रूपेश मुनि जी ने मधुर भजन प्रस्तुत किया। डॉ वरुणमुनिजी ने कहा कि क्रांति का अर्थ है मोड़ देना, बदल देना या आमूलचूल परिवर्तन कर देना। क्रांति दो प्रकार की होती है। एक क्रांति खूनी क्रांति या हिंसात्मक क्रांति, जिसमें बस, रेल या सार्वजनिक संपत्ति की तोड़फोड़ करना, किसी कमजोर या निहत्थे पर वार करना, किसी को अनावश्यक क्षति पहुंचाना, दु:ख पहुंचाना या मार-काट करना आदि। दूसरी क्रांति है श्वेत क्रांति या अहिंसात्मक क्रांति, जिसमें शांति, प्रेम, दया, करुणा आदि द्वारा जीवन को मोड़ दिया जाता है। मुनिश्री ने बताया कि मरुधर केसरी कहते थे कि किसी को दु:ख दोगे तो दुख मिलेगा, किसी को सुख दोगे तो सुख मिलेगा। यदि हम एक आम की गुठली को बोते हैं तो उससे हज़ारों आम की पैदावार हो जाती है। इसी प्रकार यदि किसी को दु:ख दिया, तो उसका फल हजारों गुना होकर हमारे पास पुनः लौटता है और यदि कोई अच्छा कार्य किया, तो वह भी सैकड़ों-हजारों गुना बढ़कर पुण्य के रूप में हमें प्राप्त होता है।ङ्गसंतश्री ने कहा कि महात्मा बुद्ध ने अंगुलिमाल जैसे क्रूर व्यक्ति को भी संत बना दिया, यह है अहिंसा क्रांति का कमाल। यदि एक नेक इंसान किसी पद को ग्रहण कर कुर्सी पर बैठता है, तो उससे कुर्सी स्वयं शोभित होती है। हम भी जीवन में ऐसे कार्य करें, जिससे स्वयं के जीवन में तो बदलाव हो ही, दूसरों के जीवन में भी बदलाव हो और वह कार्य हमारे लिए पुण्य का कारण बन सके। इसी प्रकार हमारा कोई भी सत्कार्य हमारा वर्क मेडिटेशन बन सकता है, हमारा भोजन ईटिंग मेडिटेशन बन सकता है, चलना वॉकिंग मेडिटेशन बन सकता है। इस प्रकार हम अपने प्रत्येक कार्य को या कर्म को पूजा बना सकते हैं, आवश्यकता है जीवन को सही मोड़ या दिशा देने की। जब जीवन सन्मार्ग की ओर आगे बढ़ता है तो वह शीघ्र ही विकास की पगडंडियों पर सरपट दौड़ने लगता है। हमें विनाश से बचने के लिए जीवन को विकास की ओर उन्मुख करना होगा, तभी जीवन में श्वेत क्रांति घटित हो पाएगी। सोमवार के प्रवचन में बेंगलूरु के उपनगरों एवं गांधीनगर के आसपास के क्षेत्रों के अनेक श्रद्धालु भक्तजन उपस्थित थे। उप प्रवर्तक श्री पंकजमुनि जी ने मंगल पाठ प्रदान किया। सभा का संचालन राजेश मेहता ने किया।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

अन्नपूर्णा सेवा

बेंगलूरु के नारायणी दादी परिवार के तत्वावधान में रविवार को अन्नपूर्णा सेवा योजना के तहत राजराजेश्वरीनगर स्थित आनन्द सेवा सदन ट्रस्ट में निवासित 203 वरिष्ठजनों को पूरे दिन के लिए भोजन सामग्री दी गई। राजकुमार सर्राफ परिवार के सौजन्य से आयोजित इस मानवसेवी कार्य में संस्था के अध्यक्ष महेश अग्रवाल, राजकुमार सर्राफ, आलोक सर्राफ सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

बेगूर पुलिसकर्मियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित, बांटे गए कपड़े के बैग

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के विजय संभव फाउंडेशन के अध्यक्ष वि राजहंस के नेतृत्व में बेगूर पुलिस स्टेशन में दो चरणों में पुलिसकर्मियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर व पर्यावरण जागरूकता शिविर के अंतर्गत कपड़े के बैगों का वितरण किया गा।कावेरी अस्पताल और अलोका विजन प्रोग्राम के सहयोग से स्वास्थ्य जांच शिविर में पुलिसकर्मियों की रक्तशर्करा,रक्तचाप, वजन, नेत्रों सहित अन्य स्वास्थ्य जांच कराई गई। आवश्यकतानुसार व्यक्तितों को चश्मे वितरित किए गए। शनिवार को पर्यावरण जागरूकता शिविर के तहत प्लास्टिक बैगों के उपयोग को रोकने के लिए कपड़े के थैलों का वितरण किया गया तथा प्लास्टिक के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूकता फैलाई गई। इस आयोजन में फाउंडेशन के अनेक सदस्यों ने सहयोग दिया। बेगूरु पुलिस स्टेशन की ओर से फाउंडेशन को प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

'सुपर मॉम्स' कार्यक्रम में माताओं ने अपने बच्चों की प्रतिभाएं दिखाई

बेंगलूरु/दक्षिण भारत । शहर के जिन कुशल सूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में साध्वी हर्षपूर्णाश्रीजी के सान्निध्य में 'बसवनगुड़ी सुपर मॉम्स' कार्यक्रम आयोजित किया गया। दादावाड़ी ट्रस्ट के अध्यक्ष तेजराज मालानी ने सभी का स्वागत किया। महामंत्री कुशलराज गुलेच्छा ने उपस्थित सभी बच्चों की धर्म के प्रति रुचि और प्रतिभा देखकर उन्हें भविष्य में और आगे बढ़ाने की सलाह दी। ललित डाकलिया ने बताया कि इस कार्यक्रम में 40 से अधिक बच्चों ने जिनधर्म और जैनिज्म के विषय पर संवाद, नाटक, नृत्य व गीत आदि अनेक विधाओं के माध्यम से अपनी माताओं के सहयोग से अपनी-अपनी प्रतिभाएं प्रदर्शित की। इस कार्यक्रम में निर्णायक राजेन्द्र गुलेच्छा और पवनी बाफना ने बताया कि विजेताओं की घोषणा आगामी रविवार को की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान पुखराज कवाड़, ज्ञानवाटिका के बच्चों के साथ दादावाड़ी ट्रस्ट से जुड़ी विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित थे।

उपनिरीक्षक ने फंदा लगाकर खुदकुशी की

बंटवाल। मंगलूरु के बंटवाल ग्रामीण पुलिस थाने में कार्यरत एक उपनिरीक्षक ने फंदा लगाकर कथित तौर पर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि उपनिरीक्षक की पहचान उत्तर कन्नड़ में कारवाड़ के निवासी खीरप्पा (55) के रूप में हुई है। उसने बताया कि बंटवाल में किराए के मकान में 20 जुलाई को फंदा लगाने से पहले खीरप्पा ने अपने परिवार के सदस्यों से बात की थी।

पुलिस के अनुसार खीरप्पा ने 19 जुलाई को रात्रि ड्यूटी की थी और रविवार को जब उन्हें ड्यूटी के लिए थाने से फोन किया गया तो फोन नहीं उठाया। उसने बताया कि बाद में थाने के कर्मचारी उनके घर गए तब घटना की जानकारी हुई।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com